संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-23 अंक- 15
पृष्ठ 8
बुधवार
30 सितम्बर 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- सर्दी-जुकाम और जकड़न...

विचार- बद्रीनाथ पर मुरली मनोहर जोशी...

खेल- एशियन गेम्सः पुरुष क्रिकेट में...

महापुरुषों की दूरदर्शी दृष्टि बनती है भविष्य की मजबूत नींव : योगी आदित्यनाथ

गोरखपुर,संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और गोरक्षपीठ के पीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि सामान्य व्यक्ति अपने परिवार के बारे में सोचता है, लेकिन महापुरुषों की दृष्टि दूरदर्शी होती है। वह यहां गोरखनाथ मंदिर में आयोजित युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज की पुण्यतिथि विषयक व्याख्यान को संबोधित कर रहे थे। आदित्यनाथ अपने गुरु के गुरु ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज की 57वीं तथा राष्ट्रसंत एवं अपने गुरु महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की 12वीं पुण्यतिथि के अवसर पर सप्त दिवसीय पुण्यतिथि समारोह में शामिल होने के लिए सोमवार को ही यहां पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि जब देश गुलाम था तब महंत दिग्विजय नाथ ने बालिका शिक्षा और संस्कृत शिक्षण संस्थान की स्थापना की थी तथा उनके जैसे कुछ ही लोग थे जो कहते थे कि गुलामी की बेड़ियां टूटेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा, ''वास्तव में आप जब महापुरुषों के बारे में सुनते हैं, पूज्य संतों के जीवन चरित्र को पढ़ते हैं तो एक नयी प्रेरणा प्राप्त होती है। महापुरुष केवल वर्तमान में नहीं जीता। जिनके कार्य दूरदर्शी होते हैं, वे हमें भले ही प्रत्यक्ष रूप में वर्तमान में दिखते हों, लेकिन उनकी कार्ययोजना भविष्य के एक सुदृढ़ नींव के रूप में नयी प्रेरणा देती है।'' आदित्यनाथ ने कहा, आज युगपुरुष महंत दिग्विजयनाथ की पुण्यतिथि है और कल मेरे पूज्य गुरुदेव राष्ट्रसंत महंत अवेद्यनाथ महाराज की पुण्यतिथि है।' उन्होंने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद और अन्य संस्थाओं द्वारा किये जा रहे कार्यों की विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि आज से लगभग 94–95 वर्ष पहले जब देश गुलाम था, संसाधनों का अभाव था, तब महंत दिग्विजयनाथ महाराज ने गोरखपुर में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना की थी। उन्होंने बताया कि जब महंत से पूछा गया कि आपने महाराणा प्रताप के नाम पर इसका नामकरण क्यों किया तो उन्होंने कहा था कि जब भी भारत को स्वदेश, स्वाभिमान और स्वधर्म का एहसास कराने के लिए किसी महापुरुष को आदर्श बताना हो, ''तो हम सबके लिए महाराणा प्रताप एक आदर्श उदाहरण हो सकते हैं।'' मुख्यमंत्री ने उल्लेख किया कि महाराणा प्रताप ने अकबर के खिलाफ 28 वर्ष की उम्र में स्वदेश, स्वाभिमान और स्व्धर्म के लिए पहला युद्ध लड़ा था तथा अकबर द्वारा छीने गये सभी दुर्ग को अंततः वापस लेकर मेवाड़ की धरती पर हिंदुत्व की ध्वजा को पुनर्स्थापित किया था।

दिल्ली पुलिस हेडक्वार्टर पर आज का प्रदर्शन

प्रवेश वर्मा पर एफआईआर की मांग के बीच हिरासत में कई नेता

नई दिल्ली,एजंसी। मंगलवार को दिल्ली पुलिस हेडक्वार्टर पर विरोध प्रदर्शन के दौरान आम आदमी पार्टी के कई नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया। यह प्रदर्शन दिल्ली के पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा के खिलाफ कथित तौर पर थप्पड़ मारने की घटना के बाद एफआईआर दर्ज कराने की मांग को लेकर किया गया था। यह विरोध प्रदर्शन तिलक नगर में बढ़ते तनाव के बीच हुआ, जहां सादे कपड़ों में आप के प्रदर्शन की रिकॉर्डिंग कर रहे दिल्ली पुलिस के एक हेड कॉन्स्टेबल के साथ कथित तौर पर मारपीट की गई थी। पुलिस ने इस कथित मारपीट के मामले में ।।च नेता सौरभ भारद्वाज, जरनैल सिंह और पार्टी के कई कार्यकर्ताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। साहिब सिंह के खिलाफ एक अलग एफआईआर दर्ज की गई है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, जब दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आपके राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल तिलक नगर के दौरे पर थे, तब एक हेड कॉन्स्टेबल वीडियो रिकॉर्ड कर रहा था। आरोप है कि तभी आप समर्थकों की भीड़ ने उसे घेर लिया और उस पर हमला कर दिया। इसके बाद उस अधिकारी का मेडिकल टेस्ट कराया गया। दिल्ली पुलिस ने बताया कि दिल्ली पुलिस के एक हेड कॉन्स्टेबल पर हमले के मामले में थ्त दर्ज की गई है। एफआईआर में सौरभ भारद्वाज, जरनैल सिंह और आप कार्यकर्ताओं के नाम शामिल हैं। साहिब सिंह के खिलाफ भी थ्त दर्ज की गई है। अरविंद केजरीवाल कल तिलक नगर के दौरे पर थे। दिल्ली पुलिस का हेड कॉन्स्टेबल सादे कपड़ों में वीडियो रिकॉर्ड कर रहा था। आप समर्थकों की भीड़ ने उसे घेर लिया और उस पर हमला कर दिया। इसके बाद हेड कॉन्स्टेबल का मेडिकल टेस्ट कराया गया। सरकारी कर्मचारी को उसके काम में बाधा डालने और सरकारी कर्मचारी पर हमला करने से जुड़ी धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। ये घटनाएँ रविवार को तिलक नगर में सड़क के निरीक्षण के दौरान मंत्री प्रवेश वर्मा से जुड़े एक विवाद के बाद हुई हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में वर्मा एक व्यक्ति को थप्पड़ मारते हुए दिख रहे हैं, जो उस घटनाक्रम का वीडियो बना रहा था। बताया जा रहा है कि यह विवाद सड़क निर्माण की गुणवत्ता को लेकर हुआ था। आप दिल्ली के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने वर्मा पर बिना किसी उकसावे के एक युवक के साथ मारपीट करने का आरोप लगाया।

आईएएस पद से इस्तीफा देने वाली दिव्या मित्तल ने किया अपनी सियासी पारी का ऐलान, यूपी से शुरू करेंगी चुनावी राजनीति

लखनऊ,संवाददाता। पूर्व आईएएस अधिकारी दिव्या मित्तल ने आज सक्रिय राजनीति में उतरने का ऐलान कर उत्तर प्रदेश की सियासत में नई चर्चा छेड़ दी है। मित्तल ने साफ किया कि वह किसी स्थापित राजनीतिक दल के सहारे नहीं, बल्कि स्वतंत्र मंच के जरिए जनता के बीच जाने की तैयारी कर रही हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश को अपनी कर्ममूमि बताते हुए कहा कि उनकी राजनीतिक यात्रा की शुरुआत इसी प्रदेश से होगी। एक वीडियो संदेश में दिव्या मित्तल ने बताया कि प्रशासनिक सेवा के दौरान जनता के बीच काम करते हुए उन्हें कई ऐसी हकीकतों का सामना करना पड़ा, जिसने उन्हें राजनीति में आने के लिए प्रेरित किया। उनका कहना था कि सरकारी मंजूरी, धन और नियम–कायदे मौजूद होने के बावजूद आम लोगों की अनेक समस्याएं वर्षों तक जस की तस पड़ी रहती हैं। उन्होंने कहा कि कई लोगों की आवाज सरकार तक पहुंच ही नहीं पाती और जिनकी आवाज पहुंचती भी है, उनकी शिकायतों पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं हो पाती। मित्तल ने एक दूरदराज के गांव का उदाहरण देते हुए बताया कि वहां के ग्रामीण पांचवीं कक्षा के आगे की पढ़ाई के लिए विद्यालय की मांग कर रहे थे। उन्होंने अपने कार्यकाल में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी थी, लेकिन वर्षों गुजर जाने के बाद भी विद्यालय का निर्माण शुरू नहीं हो सका। मित्तल के अनुसार, इस मामले में धन या नियमों की अड़चन नहीं थी, बल्कि इरादे की कमी सबसे बड़ी बाधा थी। उन्होंने एक भूमिहीन लाभार्थी का मामला भी सामने रखा, जिसे सरकारी दस्तावेजों में जमीन का आवंटन तो हो चुका था, लेकिन उसे जमीन पर वास्तविक कब्जा नहीं मिल पाया। मित्तल ने दावा किया कि जांच में रिपोर्टों में अनियमितताएं सामने आईं और सुधारात्मक कार्रवाई भी की गई, लेकिन इसके बावजूद मामला आगे नहीं बढ़ सका।

नंदीग्राम उपचुनाव: कलकत्ता हाई कोर्ट ने कांग्रेस प्रत्याशी मिलन प्रधान को दी अंतरिम जमानत

कोलकाता, एजेंसी। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने नंदीग्राम उपचुनाव में कांग्रेस के उम्मीदवार मिलन प्रधान को 2007 में दर्ज छह आपराधिक मामलों में मंगलवार को अंतरिम जमानत दे दी। अदालत ने कांग्रेस उम्मीदवार को 20 अक्टूबर तक राहत दे दी, जिससे वह नंदीग्राम विधानसभा सीट पर छह अक्टूबर को होने वाले उपचुनाव के लिए प्रचार कर सकेंगे। यह सीट मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के इस्तीफे के बाद खाली हुई है। शुभेंदु ने इस साल की शुरुआत में हुए विधानसभा चुनाव में भवानीपुर और नंदीग्राम सीट से चुनाव लड़ा था और दोनों पर जीत दर्ज की थी। बाद में उन्होंने भवानीपुर सीट बरकरार रखने का फैसला किया। न्यायमूर्ति तीर्थंकर घोष ने प्रधान को अंतरिम राहत देते हुए उन्हें 21 अक्टूबर को निचली अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया। न्यायाधीश ने प्रधान को उन सभी छह मामलों में 20–20 हजार रुपये का जमानती मुचलका जमा करने का भी निर्देश दिया, जिनमें उन्हें गिरफ्तार किया गया था। अंतरिम जमानत का आदेश पारित करते हुए न्यायमूर्ति घोष ने कहा कि संबंधित निचली अदालत के मजिस्ट्रेट प्रधान के खिलाफ दर्ज मामलों पर विचार करने के बाद उचित कदम उठाने का फैसला करेंगे। उच्च न्यायालय ने प्रधान को अपना मोबाइल फोन नंबर जांच अधिकारी को देने का भी निर्देश दिया। जांच अधिकारी को दिन में दो बार उम्मीदवार को फोन करने की अनुमति होगी। हत्या, हत्या के प्रयास और शस्त्र अधिनियम के प्रावधानों के उल्लंघन जैसे आरोपों से जुड़े ये सभी आपराधिक मामले 2007 में नंदीग्राम में भूमि अधिग्रहण के खिलाफ चले आंदोलन के दौरान प्रधान के खिलाफ दर्ज किए गए थे।

वोटर के हित में हमारा विरोध तथा प्रतिरोध कम नहीं होगा

13 करोड़ मतदाताओं के नाम हों बहाल : कांग्रेस

नयी दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस की सर्वोच्च नीति निर्धारक संस्था कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) ने चुनावी प्रक्रिया और मतदाता सूचियों में गड़बड़ी संबंधी खबरों पर गंभीर चिंता व्यक्त हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे, विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को निलंबित करने और मतदाता सूचियों से हटाये गये 13 करोड़ 30 लाख नामों को तत्काल बहाल करने की मांग की है। पार्टी ने कहा है कि चुनाव आयोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की कठपुतली बनकर काम रहा है और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सत्ता की लालसा में करोड़ों लोगों को एसआईआर के नाम पर मतदान के अधिकार से वंचित किया जा रहा है। पार्टी ने कहा कि प्रधानमंत्री के रूप में श्री मोदी की नैतिक जिम्मेदारी है कि वह करोड़ों लोगों को वोट के अधिकार से वंचित होने से बचायें। कांग्रेस महासचिव (संगठन) के.सी. वेणुगोपाल तथा संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने सीडब्ल्यूसी की बैठक के बाद मंगलवार को यहां पार्टी मुख्यालय इंदिरा भवन में संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा कि कांग्रेस इस मुद्दे पर विरोध और प्रतिरोध दोनों कर रही है और शांतिपूर्ण लेकिन आक्रामक रूप से इसका विरोध जारी रखेगी।

उन्होंने कहा कि चुनाव में श्मैच फिक्सिंगश हो रही है और यह मुद्दा कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दो साल पहले उठा दिया था, तब किसी को इस पर विश्वास नहीं हुआ लेकिन आज वही सच साबित हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार लोकतंत्र को खत्म करने के लिए यह कदम उठा रही है। देश में 13 करोड़ से अधिक मतदाताओं को मतदान के अधिकार से वंचित किया गया है।

रचना सक्सेना के पिता सूरज प्रसाद सक्सेना की स्मृति में शहर समता महिला काव्यगोष्ठी विशेषांक का लोकार्पण'

काव्यगोष्ठी में बही काव्य की धारा

प्रयागराज। रचना सक्सेना के पूज्य पिता सूरज प्रसाद सक्सेना की स्मृति में शहर समता विचार मंच प्रयागराज द्वारा एक साहित्यिक आयोजन का कार्यक्रम शहर समता कार्यालय कर्नलगंज में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ । इस अवसर पर शहर समता महिला काव्यगोष्ठी विशेषांक का लोकार्पण भी किया गया। यह काव्य गोष्ठी दिन में 3 बजे से सात बजे तक चली जिसका शुभारंभ अध्यक्षता कर रही डॉ ऊषा मिश्रा एवं मुख्य अतिथि जगन्नाथ राय श्जगनश तथा विशिष्ट अतिथि गिरीश श्रीवास्तव श्गिरीशश द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती माँ की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति रचना सक्सेना द्वारा की गयी। आयोजन के प्रथम सत्र में महिला काव्यगोष्ठी विशेषांक का लोकार्पण हुआ। संपादकीय वाचन उमेश श्रीवास्तव ने किया। दूसरे सत्र में काव्यगोष्ठी हुई जिसका कुशल संचालन शहर समता अखबार के संपादक उमेश श्रीवास्तव ने किया। इस काव्य गोष्ठी में डॉ प्रदीप चित्रांशी, रचना सक्सेना, शाहीन खुशबू, शरत चन्द्र श्रीवास्तव, संजय सक्सेना, उमेश श्रीवास्तव, ऋजु पाण्डेय, डॉ वीरेन्द्र तिवारी, डॉ ऊषा मिश्रा, गिरीश श्रीवास्तव एवं जगन्नाथ राय ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दियें जिसमें पढ़ा। धन्यवाद ज्ञापन संजय सक्सेना ने किया।

एफसीआरए पंजीकरण के नाम पर घूसखोरी, गृह मंत्रालय के दो अधिकारी पकड़े गए

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ ने केंद्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम (एफसीआरए) के तहत एक संस्था का पंजीकरण कराने में मदद करने के बदले रिश्वत मांगने के आरोप में गृह मंत्रालय के दो अधिकारियों को हिरासत में लिया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। गृह मंत्रालय के अनुसार, दो अधिकारियों– एक वरिष्ठ लेखाकार और एक लेखाकार– को 28 सितंबर को दिल्ली में पकड़ा गया। मंत्रालय ने कहा कि उनमें से एक वर्तमान में गृह मंत्रालय के विदेशी प्रभाग में तैनात है, जबकि दूसरा वर्तमान में वेतन एवं लेखा कार्यालय में तैनात है और वह इससे पहले विदेशी प्रभाग में सेवाएं दे चुका है। मंत्रालय ने बताया कि शुरुआती पूछताछ से खुलासा हुआ है कि ये दोनों अधिकारी कुछ संस्थाओं के कथित तौर पर संपर्क में थे और एफसीआरए के तहत उनके पंजीकरण और नवीनीकरण में मदद करने के लिए रिश्वत की मांग करते थे।

महिलाओं को घर में बंद कर रखने में नहीं, अपराधियों पर कार्रवाई है समाधान : राहुल

नयी दिल्ली,एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सरकार पर हमला करते हुए कहा है कि उन्हें घर में बंद कर रखना समाधान नहीं है बल्कि सड़कों को सुरक्षित बनाने और महिलाओं के खिलाफ अपराध करने वालों को सजा देने की जरूरत है। श्री गांधी ने मंगलवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि देशभर में महिलाएं सड़कों पर चलने के दौरान उत्पीड़न और दुष्कर्म की घटनाओं को लेकर भयभीत हैं और सरकार का जवाब है कि उन्हें घर में रखना है। उन्होंने कहा कि ऐसी व्यवस्था पीड़ित को दोषी ठहराती है और अपराधी को बचाती है। उन्होंने कहा कि समाधान महिलाओं को घर के अंदर रखना नहीं, बल्कि सड़कों को सुरक्षित बनाना, महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार करने वाली पुरुष मानसिकता का सामना करना और हमला करने वालों को तेजी से तथा बिना किसी अपवाद के सजा देना है। श्री गांधी ने कहा कि हजारों छात्र और युवा महिलाओं की सुरक्षा की मांग को लेकर सड़कों पर हैं। उन्होंने देशभर की अधिक से अधिक युवा महिलाओं, विशेषकर जेन–जी से बड़ी संख्या में आगे आने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह सरकार महिलाओं के दर्द के प्रति बहरी है और दबाव पड़ने पर ही सुनेगी। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन लोकतांत्रिक अधिकार है और वह इसके साथ पूरी तरह खड़े हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को नैतिकता के आधार पर इस्तीफा देना चाहिए: खरगे

मल्लिकार्जुन खरगे ने मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने और पीएम मोदी के इस्तीफे की मांग की

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर ''सत्तापक्ष को फायदा पहुंचाने'' का आरोप लगाया और कहा कि उन पर यह सब करने हेतु दबाव डालने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को नैतिकता के आधार पर इस्तीफा देना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि ज्ञानेश कुमार को तत्काल पद से हटाया जाए। खरगे ने कांग्रेस कार्य समिति की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी की लड़ाई किसी दल, संस्था या व्यक्ति के खिलाफ नहीं, बल्कि मतदाताओं के अधिकार, संविधान और देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था की रक्षा के लिए है। उन्होंने कहा, ''निर्वाचन आयोग की स्वतंत्रता लोकतंत्र की सुरक्षा की पहली शर्तों में से एक है।'' खरगे ने सवाल किया कि मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का फैसला किसने लिया और दो चुनाव आयुक्तों को 'इंटरनल पोर्टल' से बाहर क्यों रखा गया? खरगे ने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं और निर्वाचन आयुक्तों के बीच भी मतभेद सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे में संबंधित सीईसी को पद पर बने रहने का कोई अधिकार नहीं है और उन्हें तत्काल हटाया जाना चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री के दबाव के कारण ऐसा हुआ है और ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी को खुद नैतिकता के आधार पर इस्तीफा देना चाहिए।

उन्होंने आरोप लगाया कि मतदाता सूचियों से लोगों के नाम हटाए जा रहे हैं और इससे योग्य नागरिकों के मताधिकार पर असर पड़ने की आशंका है। खरगे ने कहा कि लोकतंत्र में हर योग्य नागरिक का वोट सुरक्षित होना चाहिए और प्रत्येक वोट की निष्पक्ष गणना होनी चाहिए।

नरसिंह अवतार लेकर भगवान ने की भक्त प्रहलाद की रक्षा : आचार्य शिवश्याम

प्रयागराज। धनूपुर ब्लॉक के पूरेसत्यभामा गांव में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के तीसरे दिन श्रीधाम वृंदावन के आचार्य शिवश्याम महाराज ने भक्त प्रहलाद व ध्रुव चरित्र की विस्तार से कथा कही। ब्रह्मा जी से वरदान पाकर हिरण्यकश्यप अत्यंत क्रूर अधर्मी और अत्याचारी राजा बन गया था। उसका बेटा प्रहलाद भगवान श्री हरि विष्णु का अनन्य भक्त था। प्रहलाद का अंत करने के लिए जब हिरण्यकश्यप अत्याचार की पराकाष्ठा लांघ गया तब भगवान विष्णु ने नरसिंह अवतार लेकर भक्त प्रहलाद की रक्षा की और अत्याचारी का अंत भी किया। आयोजक हृदयशंकर पांडेय व विजयशंकर पांडेय नेत्र धालू से कथा में भाग लेने की अपील की।

ट्रेन की चपेट में आने से किशोरी की गई जान

प्रयागराज। हंडिया के पूरेगोबई गांव के सामने सोमवार को रेलवे पटरी पर ट्रेन की चपेट में आने से एक किशोरी की मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। सोमवार सुबह पुलिस ने मृत किशोरी की पहचान बीरापुर कसौधन गांव निवासी दिनेश कुमार की 16 वर्षीय पुत्री मीना देवी के रूप में की। बताया गया कि किशोरी मानसिक रूप से अस्वस्थ थी। परिजनों के अनुसार, मीना रविवार शाम करीब छह बजे घर से अचानक लापता हो गई थी। इसके बाद परिजन उसकी काफी खोजबीन करते रहे, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चल सका। सोमवार को परिजनों को जानकारी मिली कि पूरेगोबई गांव के सामने रेलवे पटरी पर ट्रेन की चपेट में आने से एक किशोरी की मौत हुई है और पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी मिलते ही परिजन रोते–बिलखते पुलिस चौकी बरौत पहुंचे। पुलिस द्वारा उपलब्ध कराए गए साक्ष्यों के आधार पर परिजनों ने मृत किशोरी की पहचान मीना देवी के रूप में की। इसके बाद परिजन पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे।

टोंस नदी में तीसरे दिन मिला मां का शव, बेटी का नहीं चला पता

प्रयागराज। पाल पट्टी गांव में शनिवार दोपहर एक महिला ने अपनी एक वर्षीय मासूम बेटी के साथ टोंस नदी में छलांग लगाई थी। सोमवार को तीसरे दिन नदी में महिला का शव उतराता मिला। उसकी मासूम बेटी का पता नहीं चला। खीरी के पाल पट्टी गांव निवासी संतोष केवट की पत्नी सरिता ने शनिवार दोपहर करीब एक बजे एक वर्षीय बेटी को गोद में लेकर पाल पट्टी पुल से नदी में छलांग लगाई थी। घटना की सूचना मिलते ही खीरी पुलिस ने मां–बेटी की तलाश शुरू कर दी थी। काफी खोजबीन के बाद भी उनका पता नहीं चला। इसके बाद थाना अध्यक्ष खीरी वीर प्रताप सिंह ने एसडीआरएफ टीम को सूचना दी। रविवार को एसडीआरएफ की टीम ने मौके पर पहुंचकर पूरे दिन नदी में तलाश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। सोमवार को तीसरे दिन टोंस नदी में सरिता का शव उतराता दिखाई दिया। पुलिस ने शव को नदी से बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। थाना अध्यक्ष वीर प्रताप सिंह ने बताया कि बच्ची की तलाश जारी है। मामले में कोई तहरीर नहीं मिली है और पुलिस जांच कर रही है।

अधिवक्ता के चैंबर में सांप निकलने से अफरातफरी

प्रयागराज। तहसील मुख्यालय बारा परिसर में सोमवार दोपहर अचानक अधिवक्ता चौंबर में जहरीला सांप निकलने से अधिवक्ताओं में अफरातफरी मच गई। तहसील मुख्यालय में अधिवक्ता टिन शेड के नीचे चौंबर बना कर बैठते हैं। सोमवार को अचानक एक सांप आ गया और चौंबर में इधर–उधर भागने लगा। सांप को देखकर अधिवक्ता इधर उधर भागने भी लगे। उसी समय कुछ जानकार अधिवक्ताओं ने उसके आसपास डंडा पटकना शुरू कर दिया और उसे भगाने में कामयाब हुए। इसके बाद स्थिति सामान्य हुई है। कमलेश्वर सिंह, दीपक द्विवेदी, सुशील श्रीवास्तव, सुनील कुमार सिंह यादव का कहना है कि यहां आसपास सफाई न होने के कारण बरसात में जहरीले जीव जंतुओं का खतरा बना रहता है।

गड्ढों में भरा पानी, राहगीरों के लिए मुसीबत

प्रयागराज। पाली–फचकरा मार्ग पर इन दिनों सड़क की स्थिति बेहद खराब है। करीब छह किलोमीटर लंबे इस रास्ते पर जगह–जगह बारिश का पानी भर गया है। पानी से भरे गड्ढों की गहराई का अंदाजा नहीं लगने से बाइक सवारों और पैदल राहगीरों के लिए सफर मुश्किल हो गया है।

यह मार्ग मिर्जापुर राजमार्ग स्थित पाली गांव से फचकरा होते हुए भारतगंज कस्बे को जोड़ता है। फचकरा, घरवासपुर और बसकड़ी समेत कई गांवों के लिए यह महत्वपूर्ण संपर्क रास्ता है। ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय से मरम्मत न होने के कारण सड़क लगातार बिगड़ रही है। बारिश ने इस समस्या को और बढ़ा दिया है। कई बार संतुलन बिगड़ने से लोग गिरकर चोटिल भी हो रहे हैं।

फचकरा के ग्रामीण संजय बिंद ने बताया कि सड़क पर बने गड्ढे अब हादसों का कारण बन रहे हैं। साहबलाल बिंद ने स्थायी समाधान की मांग की। धर्मेश बिंद ने मार्ग की खराब स्थिति से दुर्घटना की आशंका जताई। प्रशांत कुमार बिंद ने बताया कि खराब सड़क का सबसे अधिक असर विद्यार्थियों और कामगारों पर पड़ रहा है। जेई सत्यवीर ने बताया कि सड़क को आगामी योजना में शामिल किया गया है। योजना के तहत मार्ग का मरम्मतीकरण कराया जाएगा।

आभूषण कारोबारी की पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर विशेषज्ञ की सलाह लेगी पुलिस

प्रयागराज। आभूषण कारोबारी भूपेंद्र सोनी की पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर नैनी पुलिस विशेषज्ञ की सलाह लेगी। रिपोर्ट में पसली टूटने के साथ कूल्हे व गर्दन में चोट मौत का कारण बताया गया है। अब पुलिस यह जानने का प्रयास करेंगी कि क्या फ्लैट से गिरने से उसकी मौत हुई थी या कोई और कारण है।

पुलिस अपार्टमेंट के फ्लैट नंबर 606 में रहने वाली महिला का पता लगा लिया है। पुलिस उससे पूछताछ करके एक अन्य संदिग्ध को भी थाने ले आई है।

बीते शुक्रवार को मानस विहार अपार्टमेंट में घूरपुर थाना क्षेत्र के चंपतपुर गांव निवासी भूपेंद्र सोनी का शव मिला था। पुलिस ने परिजनों को फ्लैट से नीचे गिरने की बात बताई थी। लेकिन परिजन उसकी हत्या का आरोप लगा रहे थे। ऐसे में अब पुलिस विशेषज्ञ की सलाह लेकर यह स्पष्ट करेंगी कि मौत फ्लैट से गिरने से हुई थी व कोई अन्य कारण था।

रविवार को अपार्टमेंट के फ्लैट नंबर 606 की जांच के बाद पुलिस उसमें रहने वाली महिला सरिता उर्फ जिया से पूछताछ कर रही है। वह यहां बीते काफी समय से रह रही है, लेकिन आसपास रहने वालों से उसे मेलजोल नहीं था। हालांकि, पुलिस उससे पूछताछ के आधार पर एक अन्य संदिग्ध को भी पूछताछ के लिए लाई है। सूत्रों की माने तो उसी के फोन पर ही आभूषण कारोबारी वहां पहुंचा था। अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो सका कि कमरे के अंदर आभूषण कारोबारी के साथ और कौन था। हालांकि अभी कारोबारी के फोन अनलॉक नहीं हो पाया है।

पुलिस ने उसे विधि विज्ञान शाला वाराणसी भेजा है। कारोबारी के नंबर की सीडीआर में पुलिस को कोई खास सुराग नहीं मिला है। न ही अपार्टमेंट के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज में कुछ स्पष्ट नहीं हो सका है। एसीपी करछना कुंजलता ने बताया कि कुछ अहम सुराग मिले है। घटना के खुलासे के लिए चार टीमें लगाई गई है। एक दो दिन में घटना का खुलासा हो जाएगा।

खड़े ट्रक में घुसी बाइक, युवक की गई जान

प्रयागराज। हंडिया थाना अंतर्गत पुलिस चौकी बरौत क्षेत्र के ऊपरदहां गांव के पास जीटी रोड पर सोमवार को खड़े ट्रक में बाइक घुसने से 45 वर्षीय मनोज की मौत हो गई, जबकि बाइक पर सवार उसका साथी 41 वर्षीय योगेश श्रीवास्तव पुत्र सुरेश चंद्र श्रीवास्तव निवासी झलवा, प्रयागराज गंभीर रूप से घायल हो गया।

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को सीएचसी ऊपरदहां भेजा, जहां चिकित्सकों ने मनोज को मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के अनुसार योगेश श्रीवास्तव अपने साथी मनोज के साथ बाइक से बरौत बाजार की ओर जा रहे थे। ऊपरदहां गांव के पास जीटी रोड पर पहुंचते ही बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े ट्रक में जा भिड़ी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस चालक शैलेश कुमार व टेक्नीशियन विवेक यादव की मदद से दोनों घायलों को सीएचसी ऊपरदहां पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मनोज को मृत घोषित कर दिया।

घायल योगेश ने बताया कि वह और मनोज मैकडॉवेल कंपनी में काम करते थे और किसी काम से बरौत बाजार जा रहे थे। हादसे में साथी की मौत की खबर सुनकर वह सदमे में आ गया।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई पूरी करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। घटना की जानकारी मिलते ही मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया।

इलाज के दौरान वृद्ध की मौत, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

प्रयागराज। क्षेत्र के ओठगी तरहार गांव में 60 वर्षीय मोती लाल की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। चित्रकूट के छिवलहा मऊ निवासी मोती लाल अपने बहनोई के घर रह रहे थे। परिजनों ने इसे हत्या बताते हुए हंगामा किया।

मोती लाल कई महीनों से अपने बहनोई भैयालाल के यहां रहकर बीमारी का इलाज करा रहे थे। सोमवार को अचानक उनकी तबीयत बिगड़ी और उन्होंने दम तोड़ दिया। मौत की खबर मिलते ही मोती लाल के परिजन मौके पर पहुंचे।

उन्होंने हत्या का आरोप लगाते हुए हंगामा करने लगे। परिजनों ने पुलिस को घटना की सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मोती लाल की पत्नी ऊषा देवी ने बताया कि उनके पति ने एक सप्ताह पहले अपनी जमीन का बैनामा किया था। एक सप्ताह के भीतर ही उनकी मौत हो गई। ऊषा देवी और अन्य परिजनों ने मोती लाल की मौत को हत्या की आशंका बताया। थानाध्यक्ष ब्रजेश सिंह ने ऊषा देवी के आरोप पर कार्रवाई की। पुलिस ने कहा कि अग्रिम कार्रवाई पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर की जाएगी।

मोती लाल की पत्नी ऊषा देवी ने बताया कि उनके पति ने एक सप्ताह पहले अपनी जमीन का बैनामा किया था। एक सप्ताह के भीतर ही उनकी मौत हो गई। ऊषा देवी और अन्य परिजनों ने मोती लाल की मौत को हत्या की आशंका बताया। थानाध्यक्ष ब्रजेश सिंह ने ऊषा देवी के आरोप पर कार्रवाई की। पुलिस ने कहा कि अग्रिम कार्रवाई पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर की जाएगी।

सोलर रूफटॉप से रोशन होंगी खरगापुर गांव की छतें

प्रयागराज। खरगापुर गांव के मकानों की छतें जल्द ही सोलर रूफटॉप से चमकती नजर आएंगी। गांव में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए योजना के तहत पात्र ग्रामीणों के घरों की छतों पर सोलर पैनल लगाए जाएंगे। इससे ग्रामीणों को बिजली की जरूरत का एक हिस्सा सौर ऊर्जा से पूरा करने में मदद मिलेगी और बिजली के खर्च में भी कमी आने की उम्मीद है।

खास बात यह कि पूरे जनपद के सभी विकासखंडों में सिर्फ एक ही गांव का चयन उक्त योजना में किया गया है। विकासखंड शृंग्वेरपुरधाम के खरगापुर गांव की आबादी करीब 1100 है। यहां कुल 210 मकान बने हैं। योजना का लाभ उन्हीं ग्रामीणों को मिलेगा, जिनके घरों में पहले से बिजली के कनेक्शन हैं।

अधिकारियों के अनुसार, सोलर रूफटॉप लगाने के लिए नेडा की ओर से करीब एक लाख आठ हजार रुपये तक का अनुदान दिए जाने का प्रावधान है। इससे ग्रामीणों पर सोलर संयंत्र लगाने का आर्थिक बोझ कम होगा। गांव में करीब 90 प्रतिशत मकानों में पहले से बिजली के कनेक्शन हैं। ऐसे में बड़ी संख्या में परिवार इस योजना के दायरे में आ सकते हैं।

सौर ऊर्जा के इस्तेमाल से न केवल घरेलू बिजली की जरूरत पूरी करने में मदद मिलेगी, बल्कि पारंपरिक बिजली पर निर्भरता भी कम होगी। ग्रामीणों में योजना को लेकर उत्सुकता है। यदि पात्र परिवारों को समय पर अनुदान और सोलर रूफटॉप की सुविधा मिलती है तो खरगापुर गांव सौर ऊर्जा के उपयोग की दिशा में एक उदाहरण बन सकता है।

प्रधान रामचंद्र यादव ने बताया कि अब लोग बिजली के लिए आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहे हैं। एडीओ आईएसबी मयूरेश त्रिपाठी ने बताया कि रूफटॉप योजना की शुरुआत खरगापुर गांव से शुरुआत की गई।

ईश्वर शरण डिग्री कालेज में राष्ट्रीय पोषण माह पर विशेष व्याख्यान आयोजित

प्रयागराज। ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज में पर्यावरण विज्ञान विभाग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना (छै) के संयुक्त तत्वावधान में श्9वें राष्ट्रीय पोषण माहश के अंतर्गत एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन हर्षोल्लास एवं गरिमामयी वातावरण में संपन्न हुआ। आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (प्फ ।ब्) के संरक्षण में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य विषय श्जीवन विज्ञानश रहा। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में सरस्वती औषधालय (प्रयागराज) के सुप्रसिद्ध आयुर्वेदाचार्य एवं उदर रोग विशेषज्ञ वैद्य आशुतोष मालवीय की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में स्वागत एवं विषय प्रवर्तन करते हुए महाविद्यालय एनएसएस प्रभारी डॉ अरविंद कुमार मिश्र ने 9वें राष्ट्रीय पोषण माह के थीम ष्हमारी आंगनबाड़ी

हमारी जिम्मेदारीष विषय पर चर्चा करते हुए पोषण माह के मुख्य उद्देश्यों पर प्रकाश डाला ।कार्यक्रम के मुख्य वक्ता वैद्य आशुतोष मालवीय ने श्जीवन विज्ञानश (स्पमि ेबपमदबमे / ।तज वि स्पअपदह) और आयुर्वेद के माध्यम से सही पोषण एवं स्वस्थ जीवन शैली पर चर्चा करते हुए आज की भाग–दौड़ भरी जिंदगी में युवाओं के समक्ष आ रही चुनौतियों पर विस्तार से प्रकाश डाला । आज की भाग दौड़ की जिंदगी में जहां बहुत से युवा वर्ग , अपनी शिक्षा में , अपना संपूर्ण ध्यान नहीं दे पाते, प्रायः विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य समस्याएं , आहार समस्या , सामाजिक और पारिवारिक समस्याओं से जूझ रहे होते है। जिसके कारण वे अपनी मानसिक एवं शारीरिक ऊर्जा का , समुचित उपयोग अपने उत्थान में नहीं कर पाते , उन्हें किस प्रकार का भोजन करना चाहिए ,उनकी जीवन शैली क्या होनी चाहिए , इसका ज्ञान उन्हें नहीं होता है,आयुर्वेद , चिकित्सा से पहले , स्वास्थ्य वृत्त (सपमि ेजलसम) पर ही सब से ज़्यादा ध्यान देता है , क्योंकि मनुष्य के जीवन में , उसका आहार– विहार , रात्रि चर्या – दिन चर्या, अपना आचरण , को विशेष महत्व दिया जाता हैं। वक्ता ने कहा कि वर्तमान समय में युवा वर्ग सही खान–पान की कमी, विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं और मानसिक व पारिवारिक तनाव के कारण अपनी सकारात्मक ऊर्जा का पूरा उपयोग अपनी शिक्षा और उत्थान में नहीं कर पा रहा है। युवाओं को किस प्रकार का भोजन करना चाहिए और उनकी जीवन शैली क्या होनी चाहिए, इसका सही ज्ञान देना आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

मुख्य वक्ता वैद्य आशुतोष मालवीय ने अपने सारगर्भित उद्बोधन में एन.एस.एस स्वयंसेवकों और छात्र–छात्राओं को उत्तम स्वास्थ्य और संतुलित जीवन शैली के अचूक सूत्र बताये। साथ ही छात्रों को जंक फूड से दूर रहने तथा मौसमी व पारंपरिक खान–पान को अपनाने की सलाह दी, ताकि वे अपनी खोई हुई मानसिक और शारीरिक ऊर्जा को पुनः प्राप्त कर सकें। व्याख्यान के सफल आयोजन के उपरांत महाविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना (छै) के कार्यक्रम अधिकारी डा. शैलेश कुमार यादव, डॉ रेफाक अहमद, डॉ आलोक कुमार मिश्र द्वारा एनएसएस स्वयंसेवकों एवं उपस्थित छात्र–छात्राओं का मार्गदर्शन एवं उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम में पर्यावरण विज्ञान विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. धर्मेंद्र कुमार ने मुख्य वक्ता एवं उपस्थित जनों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की और छात्रों को प्रेरित करते हुए उनका मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम का प्रभावी संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ कृष्णा सिंह ने किया एवं प्रबंधन स्वयंसेवकों द्वारा किया गया,जिसमें कॉलेज के भारी संख्या में छात्र–छात्राओं ने उपस्थित रहकर स्वास्थ्य के इस महामंत्र को ग्रहण किया ।अंत में उपस्थित समस्त शिक्षकों एवं स्वयंसेवकों की सक्रिय सहभागिता के साथ कार्यक्रम का सफल समापन हुआ। इस आयोजन ने विद्यार्थियों में बेहतर स्वास्थ्य चेतना, अनुशासन और आयुर्वेद के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण को और सुदृढ़ किया। उपरोक्त कार्यक्रम के आयोजन में अदिति, कशिश,श्री, हर्षिता, युवराज, कार्तिक, निखिल राज एवं आयुष की सराहनीय भूमिका रही।

सीएमपी में काव्य पाठ का आयोजन

प्रयागराजससीएमपी डिग्री कॉलेज प्रयागराज में राजभाषा पखवाड़ा के अंतर्गत स्वरचित काव्यपाठ का आयोजन किया गया ,कार्यक्रम की शुरुआत प्रोफेसर सरोज सिंह के स्वागत वक्तव्य से हुआ ।कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए प्रो आभा त्रिपाठी ने कार्यक्रम की प्रस्तावना से सबको अवगत कराया। इस अवसर बतौर निर्णायक की भूमिका में प्रोफेसर कल्पना वर्मा और प्रो दीनानाथ जी और प्रियंका गोंड ने अपनी भूमिका का बखूबी निर्वाह किया। अवनीश यादव ने मीरा राधा कृष्ण के प्रेम विषयक गीत सुनाया जिससे सभागार तालियों की से गूंज उठा। राज शुक्ला ने सुनाया की चांदनी रात होगी नहीं आज से यह मुलाकात होगी नहीं आज से ,दिल दहल सा गया जब आपने कहा,फिर कभी न बात होगी आपसे सुनाया,अनुराग पटेल ने याद हम आएंगे नामक गीत सुनाए। श्रेया मौर्य को प्रथम स्थान प्राची यादव और पलक त्रिपाठी को संयुक्त रूप से दूसरा स्थान मिला तीसरा स्थान संयुक्त रूप से उपेंद्र कुशवाहा अनुपम पाल आयुषी वाजपेयी को मिला इस अवसर पर नीता सिन्हा की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम का सुंदर संचालन डॉक्टर जी गणेशनमिश्रा ने किया, इस अवसर पर डॉ प्रेम शंकर सिंह डॉक्टर राजेंद्र यादव डॉक्टर पूजा गोंड भी उपस्थित रहे।

तिनसुकिया गोलाघाट की काव्य गोष्ठी संपन्न

तिनसुकिया गोलाघाट। शहर समता विचार मंच तिनसुकिया गोलाघाट शाखा की सितंबर महीने की काव्य गोष्ठीध् आंनलाइन शाखा अध्यक्ष रंजनाध् बिनानी की अध्यक्षता में धूमधाम से संपन्न हुई। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि ऊषा बिनानी, एवं विशिष्ट अतिथि श्रीमती विमला काबरा रही। सर्वप्रथम मां शारदे की मूर्ति स्थापना ,माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलनध्.. शाखा अध्यक्ष रंजना बिनानी द्वारा किया गया.. सरस्वती वंदना सीमा सिंघी द्वारा प्रस्तुत कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

सभी ने अपनी सुंदर–सुंदर प्रस्तुतियां देकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। प्रस्तुति देने वाली बहने ... मीना नागौरी जी, रंजना बिनानी, सीमा सिंघी, भगवती बिहानी एवं पूनम अग्रवाल रही।

कार्यक्रम संयोजक मीना जी नागोरी द्वारा कुशल मंच संचालन किया गया, शाखा अध्यक्ष रंजना बिनानी जी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन कर कार्यक्रम का समापन किया गया। प्रत्येक माह गोलाघाट शाखा द्वारा काव्य गोष्ठी का सफल आयोजन किया जाता है और सभी बहने अपनी प्रस्तुतियां द्वारा कार्यक्रम में चांद चांद लगाती आ रही है..आप सभी बहनों का बहुत–बहुत धन्यवाद

कोर में सफाई मित्रों हेतु स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन

प्रयागराज। केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन (कोर), प्रयागराज में चल रहे स्वच्छता ही सेवा–2026 कार्यक्रम एवं विश्व हृदय दिवस के अंतर्गत दिनांक 29/09/2026 को केंद्रीय चिकित्सालय, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज के सौजन्य से संविदा कर्मचारियों/सफाई मित्रों के लिए स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। विश्व हृदय दिवस का मुख्य उद्देश्य लोगों को हृदय रोगों (बंतकपवअेंबनसंत कपेमेंमे) और उनके बचाव के उपायों के प्रति जागरूक करना है। इस दिवस की शुरुआत

पहली बार वर्ष 1999 में विश्व हृदय महासंघ (ॅवतसक भ्मंतज थ्मकमतंजपवद) द्वारा विश्व स्वास्थ्य संगठन (ॅभ्व्) के सहयोग से की गई थी। स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का उद्देश्य सफाई कार्य में संलग्न कर्मचारियों के स्वास्थ्य की नियमित जांच कर उन्हें स्वस्थ एवं सुरक्षित कार्य वातावरण उपलब्ध कराना था। स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में चिकित्सकों एवं चिकित्सा दल द्वारा सफाई मित्रों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस दौरान कुल 52 सफाई कर्मियों के स्वास्थ्य की जांच की गई तथा आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया गया। चिकित्सा दल द्वारा कर्मचारियों को अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने तथा समय–समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराने के लिए भी प्रेरित किया गया। शिविर के दौरान कर्मचारियों की सामान्य स्वास्थ्य जांच के साथ–साथ स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक जानकारी एवं सुझाव भी दिए गए। चिकित्सकों ने स्वच्छता, व्यक्तिगत स्वास्थ्य, संतुलित आहार तथा संक्रमण से बचाव के संबंध में उपयोगी जानकारी प्रदान की। सफाई कार्य की प्रकृति को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य एवं सुरक्षा संबंधी सावधानियों के महत्व पर भी विशेष रूप से प्रकाश डाला गया। केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन द्वारा अपने कर्मचारियों एवं कार्यस्थल से जुड़े संविदा कर्मियों के स्वास्थ्य एवं कल्याण को सदैव प्राथमिकता दी जाती है। इस प्रकार के स्वास्थ्य परीक्षण शिविर न केवल कर्मचारियों को बेहतर स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते हैं, बल्कि उनके मनोबल एवं कार्यक्षमता को बढ़ाने में भी सहायक सिद्ध होते हैं। शिविर के सफल आयोजन में केंद्रीय चिकित्सालय, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज के अपर मण्डल चिकित्सा अधिकारी डॉ. रोहित कुमार एवं चिकित्सा कर्मियों की टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

एक्सप्रेसवे पर अवैध ढाबे–स्टैंड हटेंगे, ओवरलोडिंग पर कसेगा शिकंजा

डीएम ने दिए सड़क सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम के निर्देश, स्कूल वाहनों की फिटनेस और चालकों का होगा सत्यापन

मथुरा। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक हुई। डीएम ने सड़क हादसों की रोकथाम के लिए आमजन में जागरूकता बढ़ाने और उनकी सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। डीएम ने एआरटीओ प्रवर्तन को निर्देशित किया कि जिन स्कूल वाहनों की फिटनेस समाप्त हो चुकी है, उनकी अनिवार्य रूप से फिटनेस कराई जाए। नियमों का पालन न करने वाले स्कूलों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। स्कूल वाहनों के चालकों का पुलिस सत्यापन कराने के भी निर्देश दिए। डीएम ने परिवहन, खनन और पुलिस विभाग को ओवरलोडिंग, डग्गेमार और अनाधिकृत वाहनों के खिलाफ अभियान चलाकर कार्रवाई करने को कहा। एक्सप्रेसवे और राष्ट्रीय राजमार्गों पर नियमित अंतराल पर साइन बोर्ड लगाकर सीट बेल्ट, मोबाइल का प्रयोग न करने, निर्धारित गति सीमा और सावधानी से वाहन चलाने के संदेश प्रदर्शित करने के निर्देश दिए। यमुना एक्सप्रेसवे के अधिकारियों को एक्सप्रेसवे के आसपास संचालित अनाधिकृत ढाबों और दुकानों पर कार्रवाई तथा वहां वाहन खड़ा करने वालों के चालान के निर्देश दिए।

समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह का हुआ आयोजन

प्रयागराज। प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय में आज हिन्दी विभाग द्वारा आयोजित शहिन्दी पखवाड़ाश (14–29 सितंबर) के अंतिम दिन श्समापन और पुरस्कार वितरणश समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें पखवाड़े के दौरान आयोजित विभिन्न गतिविधियों में प्रतिभाग करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान कर प्रोत्साहित किया। बतौर मुख्य अतिथि प्रख्यात शिक्षाविद् पूर्व कुलपति बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय तथा पूर्व अध्यक्ष – उ.प्र. शिक्षा परिषद् , प्रो० गिरीश चन्द्र त्रिपाठी (प्रोफेसर–इलाहाबाद विश्वविद्यालय) मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया तथा विश्वविद्यालय के कुलगीत की प्रस्तुति दी गई।

संकायाध्यक्ष और कार्यक्रम के समन्वयक प्रो० आशुतोष कुमार सिंह ने अपने स्वागत उद्बोधन में विश्वविद्यालय और विभाग के सहयोगियों को सफ़ल आयोजन हेतु बधाई दी और भविष्य में ऐसे ही विद्यार्थी केंद्रित आयोजन करते रहने हेतु प्रोत्साहित करते हुए आभार प्रकट किया। उन्होंने अभिव्यक्ति के मूल श्भाषाश को सशक्त करने, संयमित और उचित प्रयोग करने की बात कही। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि हिन्दी जितनी अधिक बढ़ेगी, हिन्दी के लोकतांत्रिक मूल्य उतने ही अधिक विकसित होते जाएंगे और वह समस्त नागरिकों के मूलभूत से लेकर समग्र आवश्यकताओं की पूर्ति करने में सफ़ल होगी। उन्होंने कार्यक्रम के संरक्षक मा० कुलपति डॉ० अखिलेश कुमार सिंह जी का लगातार शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित करने में

प्रोत्साहन और मार्गदर्शन करते रहने के लिए आभार व्यक्त किया। हिन्दी पखवाड़े के दौरान आयोजित विविध गतिविधियों का विस्तृत विवरण और साथ ही विजेता प्रतिभागियों के नाम की घोषणा डॉ० अजीत यादव ने की।

मुख्य अतिथि ने हिन्दी पखवाड़े के आयोजन और विविध गतिविधियों की प्रशंसा की। कहा कि इस तरह के कार्यक्रम शैक्षणिक और सामाजिक ताने–बाने में समन्वय स्थापित करते हैं। उन्होंने अपने वक्तव्य में आजादी का मायनों को स्पष्ट किया। भविष्य के भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका को लेकर अपनी बात रखी और सशक्त भागीदारी को लेकर मार्गदर्शन प्रदान किया। मुख्य अतिथि ने कहा कि भाषा अभिव्यक्ति की रीढ़ है। हिन्दी लोकतांत्रिक मूल्य लेकर चलने वाली भाषा है और यह मातृभाषा, राष्ट्रभाषा बनने की दिशा में अन्य भाषाओं से समन्वय स्थापित कर भाषा की ज़रूरतों को पूर्ण कर रही है। देश की पहचान स्थापित करने के लिए, विकसित भारत की संकल्पना में भाषा की भूमिका बहुत महत्त्वपूर्ण है। एक भूखण्ड को राष्ट्र बनाने में भाषा की महती भूमिका है।

देश की आज़ादी की लड़ाई में क्रांतिकारी गतिविधि और उनकी भाषाई चेतना का उद्धरण देते हुए नवीन आवश्यकताओं के अनुरूप संवेदना और भाषा के प्रयोग की बात की। आर्थिकी पर बात करते हुए राष्ट्रीय आय, प्रतिव्यक्ति आय, उत्पादन और मांग की अवधारणा स्पष्ट करते हुए विद्यार्थियों को आधुनिक बाज़ार के प्रति सचेत किया। पारंपरिक और पौराणिक घटनाओं का उदाहरण देते हुए सांस्कृतिक, मानवीय मूल्यों की बात की।

तत्पश्चात् अतिथियों ने प्रतिभागियों को पुरस्कार और प्रमाणपत्र प्रदान किया।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में चीफ प्रॉक्टर प्रो० राजकुमार गुप्त ने हिन्दी पखवाड़े की प्रासंगिकता पर बात की। उन्होंने कहा हिन्दी हिय की भाषा है। भाषा राष्ट्रीय एकता की प्रतिनिधि है। दुर्भाग्य है इतिहास में कई बार भाषा को विभाजन के लिए भी प्रयोग किया गया है। इतिहास का प्रोफेसर होने के नाते उन्होंने इतिहास की दृष्टि से भाषा की परम्परा और आज की प्रासंगिकता को लेकर विवेचना की। हिन्दी माध्यम के विविध आयाम शिक्षा, व्यापार, बाज़ार, आंदोलन, रोजगार और शासन में अत्यधिक प्रयोग करने की वकालत की।

कार्यक्रम का कुशल संचालन डॉ० अलका मिश्रा और धन्यवाद ज्ञापन डॉ० पीयूष मिश्र ने किया। इस दौरान वैं प्रो० विवेक कुमार सिंह की विशेष उपस्थिति रही। डॉ० गीतांजलि, डॉ० उत्कर्ष, डॉ० प्रशांत, डॉ० प्रवीण, डॉ० प्रदीप, डॉ० अतुल, डॉ० कोहली, डॉ० दिव्या, डॉ० अग्रहरि, डॉ० देवकी, डॉ० प्रिया, डॉ० श्वेता, डॉ० शिखा समेत कई शिक्षक उपस्थित रहे। इस दौरान बड़ी संख्या में शोधार्थी और विद्यार्थी उपस्थित रहे और वक्ताओं के वक्तव्य से लाभान्वित हुए।

आयुष्मान कार्ड बना कॉन्ट्रैक्ट लेबरों और उनके परिवारों के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा का मजबूत सहारा

महाप्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे श्री नरेश पाल सिंह के निर्देश पर उत्तर मध्य रेलवे के तीनों मंडलों में अब तक 388 कॉन्ट्रैक्ट लेबरों के बनाए गए आयुष्मान कार्ड, पात्र लाभार्थियों को योजना से जोड़ने का प्रयास जारी

प्रयागराज। स्वास्थ्य किसी भी परिवार की सबसे बड़ी पूंजी है। अचानक होने वाली गंभीर बीमारी, दुर्घटना अथवा अस्पताल में भर्ती होने की स्थिति में उपचार का खर्च कई परिवारों के लिए बड़ी आर्थिक चिंता का कारण बन सकता है। ऐसे कठिन समय में आयुष्मान भारतदृप्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (च्ड–श्र ।ल) पात्र परिवारों के लिए उपचार के साथ–साथ एक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सुरक्षा कवच के रूप में सामने आती है। महाप्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे श्री नरेश पाल सिंह के निर्देश पर उत्तर मध्य रेलवे द्वारा अपने कार्यबल से जुड़े पात्र कॉन्ट्रैक्ट लेबरों को आयुष्मान योजना का लाभ उपलब्ध कराने की दिशा में विशेष पहल की गई है। इस अभियान के अंतर्गत प्रयागराज मंडल में 145, झांसी मंडल में 140 तथा आगरा मंडल में 103, कुल 388 कॉन्ट्रैक्ट लेबरों के आयुष्मान कार्ड अब तक बनाए जा चुके हैं। पात्र कॉन्ट्रैक्ट लेबरों को योजना से जोड़ने तथा अधिक से अधिक पात्र लाभार्थियों तक इसका लाभ पहुंचाने की दिशा में कार्य निरंतर जारी है।

यह पहल केवल कार्ड उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य जरूरत के समय कॉन्ट्रैक्ट लेबरों और उनके पात्र परिवारजनों तक स्वास्थ्य सुरक्षा की सुविधा और भरोसा पहुंचाना है। ये कॉन्ट्रैक्ट लेबर रेलवे के विभिन्न कार्यों में अपनी मेहनत और समर्पण से महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। ऐसे में उनके और उनके परिवारों के स्वास्थ्य की चिंता को कम करने की दिशा में यह पहल मानवीय दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। 'कैशलेस एवं पेपरलेस उपचार'

पात्र लाभार्थी योजना के अंतर्गत सूचीबद्ध अस्पतालों में निर्धारित उपचार सुविधाओं का लाभ कैशलेस एवं पेपरलेस तरीके से प्राप्त कर सकते हैं। इससे अस्पताल में उपचार के समय तत्काल बड़ी राशि की व्यवस्था करने की चिंता कम होती है और पात्र परिवारों को उपचार पर ध्यान केंद्रित करने में सहायता मिलती है।

'प्रति परिवार प्रति वर्ष ध्5 लाख तक का स्वास्थ्य कवर'

च्ड–श्र ।ल के प्रावधानों के अनुसार पात्र परिवारों को प्रति परिवार प्रति वर्ष ध्5 लाख तक का स्वास्थ्य कवर उपलब्ध कराया जाता है। गंभीर बीमारी अथवा अस्पताल में भर्ती होने जैसी परिस्थितियों में यह आर्थिक

रूप से कमजोर एवं पात्र परिवारों के लिए महत्वपूर्ण सहारा बन सकता है।

आयुष्मान कार्ड का महत्व केवल एक व्यक्ति तक सीमित नहीं है। योजना का उद्देश्य पात्र परिवार को चिकित्सा सुरक्षा प्रदान करना है, ताकि बीमारी की स्थिति में परिवार को उपचार और आर्थिक बोझ के बीच कठिन चुनाव न करना पड़े।

परिवार में किसी महिला, बच्चे अथवा वरिष्ठ नागरिक के बीमार पड़ने पर उपचार की जिम्मेदारी अचानक बढ़ जाती है। ऐसे समय में पात्र लाभार्थियों के लिए आयुष्मान योजना के अंतर्गत उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाएं परिवार के लिए महत्वपूर्ण सुरक्षा प्रदान कर सकती हैं। योजना के अंतर्गत पात्रता एवं निर्धारित पैकेज के अनुसार विभिन्न गंभीर बीमारियों एवं अस्पताल में भर्ती होकर किए जाने वाले उपचारों का लाभ उपलब्ध हो सकता है। इससे बीमारी के कठिन समय में परिवार को उपचार की दिशा में आवश्यक सहायता मिलती है।

'मेहनत करने वाले हाथों के परिवारों के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा'

कॉन्ट्रैक्ट लेबर रेलवे के विभिन्न कार्यों में अपनी मेहनत और जिम्मेदारी से महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। दिन–रात मेहनत कर रेलवे के कार्यों को आगे बढ़ाने वाले इन श्रमिकों के परिवार के लिए बीमारी का समय विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण हो सकता है। ऐसे में आयुष्मान कार्ड उनके लिए यह भरोसा लेकर आता है कि आवश्यकता पड़ने पर पात्रता के अनुसार स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ प्राप्त किया जा सकता है।

'इलाज के समय जेब पर पड़ने वाले बोझ को कम करने में मदद'

बीमारी केवल स्वास्थ्य को प्रभावित नहीं करती, बल्कि परिवार की आर्थिक स्थिति को भी प्रभावित कर सकती है। कई बार उपचार का खर्च परिवार की बचत पर भारी पड़ सकता है। आयुष्मान योजना के अंतर्गत उपलब्ध स्वास्थ्य कवर पात्र लाभार्थियों को योजना के तहत उपलब्ध उपचार का लाभ दिलाकर इलाज के खर्च से उत्पन्न आर्थिक दबाव को कम करने में मदद करता है।

'पेपरलेस एवं सरल प्रक्रिया'

आयुष्मान कार्ड के माध्यम से पात्र लाभार्थी सूचीबद्ध अस्पतालों में योजना के तहत उपलब्ध सुविधाओं का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। डिजिटल कार्ड व्यवस्था से लाभार्थियों के लिए योजना से जुड़ी सेवाओं तक पहुंच आसान होती है।

'समावेशी स्वास्थ्य सुरक्षा की दिशा में कदम'

च्ड–श्र ।ल का उद्देश्य पात्र एवं जरूरतमंद परिवारों तक स्वास्थ्य सुरक्षा पहुंचाना है। ऐसे में आयुष्मान कार्ड उन परिवारों के लिए विशेष महत्व रखता है, जिनके सामने गंभीर बीमारी के समय उपचार का खर्च एक बड़ी चुनौती बन सकता है।

उत्तर मध्य रेलवे द्वारा पात्र कॉन्ट्रैक्ट लेबरों को इस योजना से जोड़ने का प्रयास इसी भावना को आगे बढ़ाता है, ताकि जरूरत के समय उपचार और आर्थिक चिंता के बीच परिवारों को कठिन परिस्थिति का सामना न करना पड़े।

'पात्रता एवं पंजीकरण'

पात्र लाभार्थियों की पहचान निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार की जाती है तथा पात्रता की पुष्टि के बाद आयुष्मान कार्ड बनाया जाता है। लाभार्थी योजना के प्रावधानों के अनुसार सूचीबद्ध अस्पतालों में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं का लाभ उठा सकते हैं।

उत्तर मध्य रेलवे द्वारा पात्र कॉन्ट्रैक्ट लेबरों की पहचान कर उन्हें योजना से जोड़ने का कार्य निरंतर किया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक पात्र लाभार्थियों और उनके परिवारों तक स्वास्थ्य सुरक्षा का लाभ पहुंचाया जा सके।

'आयुष्मान कार्डकृमुश्किल समय में भरोसे का सहारा'

किसी परिवार के लिए बीमारी का समय सबसे कठिन समयों में से एक होता है। ऐसे समय में यदि उपचार के साथ आर्थिक सुरक्षा का भरोसा भी उपलब्ध हो, तो परिवार का मनोबल मजबूत होता है। आयुष्मान कार्ड इसी भरोसे का एक माध्यम हैकृताकि पात्र परिवारों के लिए बीमारी के समय इलाज आर्थिक मजबूरी के कारण प्रभावित न हो।

उत्तर मध्य रेलवे द्वारा की गई यह पहल अपने कार्यबल से जुड़े पात्र कॉन्ट्रैक्ट लेबरों और उनके परिवारों तक स्वास्थ्य सुरक्षा योजनाओं का लाभ पहुंचाने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। अब तक 388 कॉन्ट्रैक्ट लेबरों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं और पात्र लाभार्थियों को योजना से जोड़ने का कार्य आगे भी जारी रहेगा। स्वस्थ परिवार, सुरक्षित परिवार और सशक्त कार्यबलकृ इसी भावना के साथ उत्तर मध्य रेलवे अपने कर्मचारियों एवं उनसे जुड़े कार्यबल के कल्याण के लिए निरंतर प्रयासरत है।

ललित कलित हैं गाँव

(छप्पय)

छोटे छोटे गाँव जरूरत पूरा करते।
बिन बोले दिन–रात पेट शहरों का भरते।
मानवता का पाठ भूल जब मानव जाता।
अपनी आँखें मूँद नगर पर है इठलाता।
आडम्बर का कर वरण अपनों से ही दूर हो।
गपशप सबसे कर रहे अहं भाव में लिप्त हो।।

ललित कलित है गाँव वहाँ की मिट्टी कहती।
धूप छाँव के साथ यहाँ हरियाली रहती।
रोपाई के गीत नई ऊर्जा को भर के।
नूतनता में संग रसोई में जा गमके।
दौड़ लगाते मेघ में, चमक रही थी दामिनी।
निशा देखकर मौन है भोर लगे जब यामिनी।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

सपने बड़े हों तो संकल्प भी बड़ा होना चाहिए : अतुल जिंदल

महावन। श्री गुरु कार्ष्णि इंटर कॉलेज में मंगलवार को आयोजित मोटिवेशनल क्लास में मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश एसोसिएशन ऑफ जर्नलिस्ट (उपज), मथुरा के अध्यक्ष अतुल कुमार जिंदल ने विद्यार्थियों को सफलता के मंत्र दिए। उन्होंने कहा कि बड़े सपनों को साकार करने के लिए मजबूत संकल्प, अनुशासन और निरंतर मेहनत जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों से लक्ष्य तय कर समय का सदुपयोग करने, सकारात्मक सोच रखने तथा मोबाइल व सोशल मीडिया के अनावश्यक उपयोग से बचने का आह्वान किया। कहा कि सफलता केवल अच्छे अंकों से नहीं, बल्कि अच्छे संस्कार, चरित्र और व्यवहार से भी तय होती है। असफलता से घबराने के बजाय उससे सीख लेकर निरंतर प्रयास करना चाहिए। विद्यालय पहुंचने पर प्रधानाचार्य जितेंद्र मिश्रा ने पटुका पहनाकर एवं स्मृति–चिह्न भेंट कर अतुल जिंदल का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास और आत्मविश्वास के लिए ऐसे कार्यक्रम महत्वपूर्ण हैं।

स्काउट मास्टर विनोद कुमार शुक्ला ने भी विद्यार्थियों को अपनी क्षमताओं पर विश्वास रखते हुए आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान उपप्रधानाचार्य शिवकुमार निगम, डॉ. राकेश कुमार राही, संजय वर्मा, विश्वजय सिंह, धीमान सिंह, प्रशांत शर्मा, ललित शर्मा, अंजलि वर्मा, प्रीति, चतुर शिरोमणि शर्मा, सत्यप्रकाश सारस्वत, टीना दीक्षित, विपिन, कैलाश, करण सहित शिक्षक–शिक्षिकाएं एवं छात्र–छात्राएं मौजूद रहे।

विविध कार्यक्रमों का आयोजन

प्रयागराज। आज महाविद्यालय में राजभाषा मांह के समापन के अवसर पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में डॉक्टर रवि नंदन सिंह, वरिष्ठ साहित्यकार,संपादक सरस्वती पत्रिका, प्रयागराज एवं अध्यक्ष के रूप में डॉ धनंजय चोपड़ा,पाठ्यक्रम समन्वयक,सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज एवं जगत तारन गर्ल्स डिग्री कॉलेज के शासी निकाय के अध्यक्ष प्रो. असीम मुखर्जी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो.आशिमा घोष द्वारा अतिथियों को स्मृति चिन्ह पुष्प गुच्छ एवं अंगवस्त्र पहनाकर किया गया। तत्पश्चात महाविद्यालय की प्राचार्य द्वारा अतिथियों का वाचिक स्वागत किया गया इसके अतिरिक्त सेमिनार हॉल में उपस्थित विभिन्न महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालय से पधारे सभी विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों का भी प्राचार्य ने स्वागत किया। प्राचार्य ने अपने संबोधन में कहा बच्चों आप ही देश के भविष्य हैं और हिंदी के भी भविष्य आप ही हैं और मुझको पूरा विश्वास है कि यह भविष्य बेहतरीन होगा।

इसके पश्चात प्रोफेसर रतन कुमारी वर्मा एवं डॉ. शैलेश शुक्ल के द्वारा संपादित पुस्तक श्प्रयागराज में हिंदी पत्रकारिता एवं साहित्यश एवं श्सृजनपथश नामक कविता संग्रह का विमोचन किया गया। सृजन संसार ग्लोबल फाउंडेशन की तरफ से यह पुस्तक प्रकाशित की ग ई है।प्रो असीम मुखर्जी ने कहा कि यह महाविद्यालय के लिए अत्यंत गौरव का क्षण है कि यहां पर प्रो. रतन कुमारी वर्मा जी जैसी शिक्षिका हैं जो निरंतर रचनात्मक कार्यों में लगी रहती हैं। डॉ रविनंदन सिंह ने डिजिटल युग में हिंदी विषय पर छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि ।प् कितना भी पावरफुल क्यों न हो मनुष्य उसे कई गुना ज्यादा मजबूत और अदम्य है। अपने अध्यक्षीय भाषण में डॉ धनंजय चोपड़ा ने डिजिटल युग में हिंदी विषय पर छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कितना भी ।प् आ जाय कितनी भी तकनीक आ जाए भाषा को कोई भी मार नहीं सकता। इसके बाद हिंदी माह के के दौरान आयोजित विविध प्रतियोगिताओं स्वरचित काव्य पाठ, शोध पत्र लेखन, निबंध लेखन, लघु कहानी लेखन आदि के विजेताओं को अतिथियों एवं प्राचार्य द्वारा पुरस्कृत किया गया। शोध पत्र लेखन के लिए केपी ट्रेंनिंग कॉलेज की गरिमा को प्रथम पुरस्कार, निबंध लेखन के लिए खुशी यादव को प्रथम पुरस्कार दिया गया जो कि राजर्षि टंडन महिला महाविद्यालय की छात्रा है। वही सीएमपी डिग्री कॉलेज की मोहिनी को लघु कहानी लेखन में प्रथम पुरस्कार दिया गया तथा इलाहाबाद विश्वविद्यालय की पिंकी को काव्य पाठ में प्रथम स्थान दिया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ विजयलक्ष्मी द्वारा तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर अंशुमाला मिश्रा द्वारा दिया गया। साथ ही अंकिता मिश्रा, अवंतिका सिंह, उपेन्द्र यादव और रुचि मिश्रा को कार्यक्रम के सम्पादन में अप्रतिम सहयोग के लिए विशेष पुरस्कार दिया गया।

इस अवसर पर कार्यक्रम में डॉ. प्रमा द्विवेदी डॉ.शालिनी सिंह डॉ. नम्रता देब, डॉ. माधुरी राठौर,डॉ निर्मला गुप्ता, डॉ. अंकिता चतुर्वेदी डॉ. फातिमा नूरी, डॉ. ऐश्वर्य सिंह, प्रो. अर्चना पॉल महाविद्यालय के शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयोजन डॉ सुकृति मिश्रा एवं डॉ विजयलक्ष्मी ने किया।

सम्पादकीय.....

हरियाणवी प्रतिभाओं को संबल

हरियाणा सरकार के उस फैसले का स्वागत ही किया जाना चाहिए, जिसमें सरकार ने राज्य में नई खोजों को प्रोत्साहन देने के लिये पचास हजार रुपये तक की, पेटेंट रजिस्ट्रेशन फीस की प्रतिपूर्ति करने का निर्णय किया है। निश्चय ही इस कदम से उन छात्रों को संबल मिलेगा जो सीमित संसाधनों में राज्य व देश के लिये कुछ महत्वपूर्ण खोज करने का संकल्प रखते हैं। लेकिन पेटेंट तो महज एक शुरुआत भर है। असली मुश्किल सवाल यह है कि पेटेंट सर्टिफिकेट मिलने पर मेधावी युवा क्या करेंगे। निर्विवाद रूप से भारत में प्रतिभावान छात्रों, रिसर्च पेपर्स या पेटेंट की कोई कमी नहीं है। दरअसल, कमी है तो उस इकोसिस्टम की जो किसी विचार या आइडिया को लैब या विश्वविद्यालय प्रोजेक्ट से निकालकर व्यावसायिक दृष्टि से सफल उत्पाद बनाता है। यही वजह है कि छात्रों को पेटेंट के लिये पैसे देने में मदद करने वाली नीति के साथ–साथ प्रोटोटाइपिंग, टेस्टिंग, बौद्धिक संपदा संरक्षण और नये विचार को मार्केट तक पहुंचाने में मदद मिलनी चाहिए। अन्यथा खोज व अनुसंधान अर्थव्यवस्था के महज पेटेंट कल्चर तक ही सिमट जाने का खतरा पैदा हो सकता है। जिसमें समाधान खोजने के बजाय पेटेंट फाइल करने पर इनाम दिया जाता है। सही मायने में इसके लिये कारगर समाधान तलाशने हेतु विश्वविद्यालयों को उद्योग जगत से और करीब से जोड़ने की जरूरत है। छात्रों को वास्तविक दुनिया की समस्याओं की पहचान करने,कंपनियों और सरकारी संस्थानों के साथ काम करने और ऐसे उत्पाद बनाने के लिये प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, जिनके लिये चिन्हित उपयोगकर्ता की पहले से पहचान हो सके। सही मायने में राज्य में शोध ा–अनुसंधान का वातावरण बनाने के लिये तमाम व्यावहारिक पक्षों पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। नई खोज करने वाले प्रतिभागियों को वित्तीय मदद, उत्पादन के लिये उपयोगी ढांचा, रेगुलेशन और मार्केटिंग से जुड़ी चुनौतियों से निपटने में मदद की जानी चाहिए। हरियाणा के लिये यह अवसर बेहद महत्वपूर्ण है। राज्य के विश्वविद्यालय और तकनीकी संस्थान खेती से जुड़ी विभिन्न तकनीकों, जल प्रबंधन, उत्पादन, हेल्थकेयर और स्वच्छ ऊर्जा आदि अन्य क्षेत्रों में इनोवेशन के इंजन बन सकते हैं। इसके लिये सिर्फ एक बार प्रोत्साहन राशि देने के बजाय लगातार निवेश करने की जरूरत होगी। राज्य को अपनी पेटेंट पॉलिसी की सफलता को सिर्फ पेटेंट की फीस की प्रतिपूर्ति वाले आवेदनों की संख्या से नहीं, बल्कि इस बात से अपनी सफलता का मूल्यांकन करना चाहिए कि उन पेटेंटों से व्यवहार में क्या हासिल हुआ। मसलन राज्य में कितने स्टार्ट–अप बने। राज्य में कितनी टेक्नोलॉजी का व्यवसायीकरण हुआ। उससे राज्य में नौकरियों की संख्या में कितनी वृद्धि हुई। इस बात में दो राय नहीं हो सकती है कि पेटेंट किसी विचार या खोज को सुरक्षा देता है। लेकिन वह इस बात की गारंटी कदापि नहीं है कि व्यवहार में उसका उपयोग राज्य व देश के लिये कितना लाभदायक होगा। यही वजह है कि हरियाणा को व्यवहार में ज्यादा से ज्यादा समस्याओं के समाधान करने वाले उद्यमों और उत्पाद बनाने का लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए।

बद्रीनाथ पर मुरली मनोहर जोशी की चिंता

डॉ. दीपक पाचपोर

धर्म के इस दिखावे में धर्म का नुकसान तो हो रहा है, सदियों से धर्म की रक्षा करने वाले तीर्थों को भी नुकसान पहुंच रहा है। बद्रीनाथ में सांस्कृतिक महोत्सव इसी की एक मिसाल है।

धर्म और आस्था के नाम पर नियम–कानूनों को ताक पर रखना, प्रकृति को नुकसान पहुंचाना और आम जनता के जीवन से खिलवाड़ करना, यह विकृति भाजपा राज में इस कदर बढ़ चुकी है कि अब खुद भाजपा को बनाने वाले नेता ही इस पर चिंता प्रकट कर रहे हैं। अभी 19 और 20 सितंबर को उत्तराखंड के बद्रीनाथ के टूरिस्ट अराइवल प्लाजा में दो दिनों के श्देवभूमि सांस्कृतिक महोत्सवश का आयोजन किया गया था। जैसा कि भाजपा में चलन हो चुका है संस्कृति के नाम पर तेज आवाज में गाना–बजाना ही होता है। अभी दो दिन पहले खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर भजन क्लबिंग में हिस्सा लिया और बाकायदा ट्वीट किया कि हमारी जेन जी भजन क्लबिंग की ओर बढ़ रही है... यह आध यात्मिकता और आधुनिकता का एक सुंदर संगम है, जिसमें भजनों की पवित्रता का भी पूरा ध्यान रखा जाता है। हो सकता है प्रधानमंत्री सामने बैठे थे तो भजनों की पवित्रता का ध्यान रखा गया हो, वर्ना फिल्मी गानों की धुनों पर भजन ही आजकल भक्ति के नाम पर गाए–बजाए जाते हैं। बहरहाल, प्रधानमंत्री का यह ट्वीट बता रहा है कि अभी उन्होंने नयी पीढ़ी से जुड़ने की कोशिशों को छोड़ा नहीं है। हैलो फ्रेंड्स वाला दांव काम नहीं आया तो अब मोदी यह दिखा रहे हैं कि नयी पीढ़ी भाजपा वाले भक्ति मॉडल को अपना रही है, जिसे वो आध यात्मिकता और आधुनिकता का संगम कह रहे हैं। हालांकि आध यात्मिकता और आधुनिकता में कभी भी अलगाव नहीं रहा है, दोनों हमेशा साथ चले हैं। लेकिन नरेन्द्र मोदी अलग ही किस्म का दर्शन देश पर थोप रहे हैं, जिसमें भक्ति के नाम पर कट्टरता और कर्मकांड ही दिखाई देते हैं। इसलिए सड़क पर तो छोड़िए अपने घर में भी कोई नमाज पढ़े तो उस पर मामला दर्ज होता है, लेकिन हिंदू त्योहार मनाने के लिए फूहड़ता से निकाले गए जुलूसों पर फूल बरसाए जाते हैं। धर्म के इस दिखावे में धर्म का नुकसान तो हो रहा है, सदियों से धर्म की रक्षा करने वाले तीर्थों को भी नुकसान पहुंच रहा है। बद्रीनाथ में सांस्कृतिक महोत्सव इसी की एक मिसाल है। इस महोत्सव के दौरान तेज संगीत, डीजे और लोगों के नाचने के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए, जिस पर हिमालय प्रेमी और बद्रीनाथ के प्रति श्रद्धा रखने वाले कई लोगों ने कड़ी आपत्ति जताई। यहां तक कि भाजपा के वरिष्ठ नेता और विज्ञान के शिक्षक रहे मुरली मनोहर जोशी ने भी सोशल मीडिया पर इस आयोजन की तीखी आलोचना करते हुए लिखा, बद्रीनाथ धाम में संगीत समारोह को छूट दिया जाना न सिर्फ सांस्कृतिक मर्यादाओं का उल्लंघन है बल्कि धाम की पवित्रता पर भी सीधा आघात है। आदि गुरु शंकराचार्य महाराज जी द्वारा इस धाम की स्थापना हिमालयी पर्यावरण में शांतिपूर्ण तरीके से भगवत भजन के लिए की थी। गौर करने वाली है कि इस जगह पर शंख बजाना भी मना है लेकिन हम उसे भूलकर शोर–शराबे वाले संगीत कार्यक्रमों का आयोजन कर भारतीय आध्यात्मिक, सांस्कृतिक, पर्यावरणीय मूल्यों की घोर उपेक्षा तो कर ही रहे हैं, साथ में इतनी ऊंचाई पर हजारों लोगों के नाचने से उनके स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों की भी उपेक्षा कर रहे हैं। यह इस बात का प्रतीक है कि अब देवभूमि को बाजारू संस्कृति के रूप में परिणीत किया जा रहा है। जोशीजी की चिंता तो वाजिब है, लेकिन अफसोस इस बात का है कि उन्होंने इस चिंता को जताने में काफी देर कर दी। 2014 से वे मोदी शासन में इस तरह के तमाशों को देखते आए हैं, लेकिन न जाने क्या मजबूरी रही कि उन्होंने खुलकर कभी आलोचना नहीं की। अब भी वे चाहते तो सीधे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को संबोधित कर आलोचना कर सकते थे, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। हालांकि स्थानीय लोग भी इस आयोजन से खिन्न हैं। यहीं के माणा गांव के पूर्व प्रधान पीताम्बर सिंह मोलफा ने कहा कि हमारा इलाका बहुत ही संवेदनशील है। यहां धार्मिक परंपराओं और स्थानीय लोगों की भावनाओं को समझे बिना कोई भी बड़ा कार्यक्रम करना ठीक नहीं है। उन्होंने याद दिलाया कि चिपको आंदोलन से जुड़े चंडी प्रसाद भट्ट जी जैसे पर्यावरणविदों ने इस क्षेत्र के लिए काफी सुझाव दिए हैं, लेकिन मास्टर प्लान तैयार करते समय उनकी बातों को दरकिनार किया गया। मास्टर प्लान के तहत बड़ी–बड़ी मशीनें दिन–रात शोर कर रही हैं, हेली सेवा से जो शोर होता है, उस पर कोई बात नहीं करता। हालांकि अब प्रशासन कह रहा है कि भविष्य में बद्रीनाथ में ऐसे किसी भी कार्यक्रम पर रोक लगाई गई है। लेकिन उसे जवाब देना चाहिए कि पहले ही यह सब क्यों नहीं रोका गया। प्रदूषण से केवल बद्रीनाथ नहीं केदारनाथ धाम भी ग्रस्त है। यहां आई विनाशकारी बाढ़ ने बता दिया था कि किस तरह जरूरत से ज्यादा भीड़ पहुंचने से सारा इको सिस्टम प्रभावित हो रहा है। केदारनाथ क्षेत्र में स्थानीय लोग लंबे समय से पर्यावरण और बढ़ते पर्यटन के दबाव से जुड़ी समस्याओं की ओर ध्यान दिलाते रहे हैं। धाम के आसपास और यात्रा मार्ग पर साल–दर–साल रिकॉर्ड स्तर पर कचरा बढ़ रहा है, जिसका प्रबंधन नहीं हो पा रहा है। पर्यटक अपने पानी की खाली बोतल, खाने–पीने के पैकेट समेत कई सामान खाई में सीधे नीचे फेंक देते हैं, जिसे इकट्ठा करना असंभव है। यह इस संवेदनशील हिमालयी क्षेत्र के पर्यावरण के लिए एक गंभीर चेतावनी है। कचरे के बढ़ने के कारण भारी बारिश में हालात और बिगड़ जाते हैं। अभी रुद्रप्रयाग में ही लैंडस्लाइड होने की वजह से चारधाम यात्रा रोकनी पड़ी।

हमारे पूर्वज: जिसकी कविता में जागता रहा देश
देवी प्रसाद राही: संघर्ष, स्वाभिमान और राष्ट्रीय चेतना के प्रखर कवि

जयराम जय

हिंदी साहित्य के लिए आदिकाल से ही समृद्ध रही कानपुर की धरती ने अनेक महत्वपूर्ण रचनाकारों को जन्म दिया और संस्कारित किया है। इसी साहित्यिक परंपरा के एक ऐसे कवि थे देवी प्रसाद राही, जिन्होंने कविता को केवल लिखा नहीं, बल्कि उसे अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाया। जीवन के सुख–दुःख, अभाव, संघर्ष, सामाजिक यथार्थ और राष्ट्रीय चेतनाकृसब उनकी कविता के अनुभव–संसार में समाहित होते गए। जीवन की कठिन परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने अपनी वैचारिक स्वतंत्रता और रचनात्मक स्वाभिमान से कभी समझौता नहीं किया।

राही जी का जन्म 1 नवंबर 1927 को टेढ़ी बाजार, बलरामपुर (उत्तर प्रदेश) में हुआ था, लेकिन छात्र जीवन से ही कानपुर उनकी कर्मभूमि बन गया। साहित्य, संस्कृति और राष्ट्रीय चेतना की इस उर्वर भूमि से उनका संबंध जीवनपर्यंत बना रहा। उन्होंने कानपुर के डी.ए.वी. कॉलेज से शिक्षा प्राप्त की। आजीविका के लिए उन्होंने अध्यापन को अपनाया और बी. एन.एस.डी. इंटर कॉलेज, कानपुर में हिंदी अध्यापक के रूप में लंबे समय तक अपनी सेवाएँ दीं। वहीं से सेवानिवृत्त हुए। 11 मई 2011 को कानपुर में उनका निधन हुआ।

संघर्षों से निकली कविता

राही जी पर कविता का आकर्षण छात्र जीवन से ही था। जीवन के संघर्षों के बीच कविता उनके भीतर किसी अंतर्धारा की तरह बहती रही। अभावों ने उन्हें तोड़ा नहीं, बल्कि उनकी संवेदना को अधिक गहरा किया। धीरे–धीरे वही संवेदना आत्मविश्वास में बदली और एक सशक्त रचनाकार का रूप लेती गई।

अपने जीवन–संघर्ष को उन्होंने स्वयं इन पंक्तियों में अभिव्यक्त कियाकृ

"मैं पला अभावों के घर में,
ठोकर खाकर पीड़ा पीकर
खुदकुशी रोज समझाती थी
क्या करना है तुमको जीकर
मैंने ऐसे भी जहरीले दिन
काट दिए हँसते–हँसते
थक गया समय का सर्प स्वयं
मेरा जीवन डसते–डसते
मैं संघर्षों के प्रश्नों का
पहला अपराजित उत्तर हूँ
जनमत की मौलिक रचना पर
मैं बहुमत का हस्ताक्षर हूँ।"

इन पंक्तियों में राही जी के जीवन की पीड़ा के साथ संघर्ष से उपजा आत्मविश्वास भी दिखाई देता है। उनका जीवन बताता है कि परिस्थितियाँ रचनाकार को रोक नहीं सकतीं, यदि उसके भीतर अपने समय से संवाद करने की बेचैनी और अपने सत्य के प्रति आस्था हो।

मंच का ओजस्वी स्वर

राही जी वाचिक परंपरा के अत्यंत प्रभावशाली और ओजस्वी कवि थे। उनकी कविता में कथ्य का तेज, प्रस्तुति में आत्मविश्वास और स्वर में जन–सरोकारों की ऊर्जा थी। कवि–सम्मेलनों के

मंच पर उन्होंने अपनी विशिष्ट पहचान बनाई और अपने समय के अनेक चर्चित कवियों के बीच अपनी अलग जगह बनाई।

कानपुर के चर्चित रचनाकार प्रो. रामस्वरूप सिंदूर के साथ उनकी साहित्यिक नोक–झोंक भी साहित्यिक हलकों में चर्चित रही। यह प्रतिस्पर्धा रचनात्मक थी और उसने मंचीय कविता को समृद्ध किया। स्वस्थ साहित्यिक प्रतिस्पर्धा रचना को धार देती है और कवि को स्वयं को लगातार बेहतर बनाने के लिए प्रेरित करती है।

राही जी के समय की मंचीय कविता का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी था कि कवि अपनी रचना और प्रस्तुति के बल पर पहचान बनाता था। राही जी ने अपने नाम के साथ जातिगत पहचान को प्रमुखता न देकर साहित्य को संकीर्ण पहचान की सीमाओं से अलग रखने का प्रयास किया। उनके निकट रहे लोग उनके व्यक्तित्व के इस पक्ष से परिचित रहे होंगे।

हालाँकि उनके जीवन से जुड़े अनेक संस्मरण और प्रसंग आज भी चर्चा में हैं, लेकिन राही जी का वास्तविक मूल्यांकन उनके व्यापक रचना–कर्म के आधार पर ही किया जाना चाहिए।

जब संसद में पहुँची राही की कविता

राही जी की कविता का प्रभाव केवल कवि–सम्मेलनों और साहित्यिक मंचों तक सीमित नहीं रहा। राष्ट्रीय स्तर पर भी उनकी रचनात्मक उपस्थिति दर्ज हुई। 26 फरवरी 1984 को संसद में तत्कालीन ऊर्जा राज्य मंत्री आरिफ मोहम्मद खान द्वारा उनकी कविता 'अलख जगाता है बंजारा' का उल्लेख किया जाना उनके साहित्यिक जीवन का उल्लेखनीय प्रसंग है।

कविता की ये पंक्तियाँ आज भी सजग राष्ट्रीय चेतना का आह्वान करती हैंकृ

"फिर चंदन की हीरकनी पर
काले नागों ने फुफकारा
मेरे देश जागते रहना
अलख जगाता है बंजारा।"

इन पंक्तियों में देश की सुरक्षा और राष्ट्रीय सजगता की चिंता स्पष्ट दिखाई देती है। यही वह बिंदु है जहाँ राही जी की कविता तत्कालीन संदर्भ से ऊपर उठकर व्यापक राष्ट्रीय चेतना का स्वर ग्रहण करती है। समय बदल जाता है, परिस्थितियाँ बदल जाती हैं, लेकिन देश और समाज के प्रति सजग रहने का कवि का आह्वान अपनी प्रासंगिकता बनाए रखता है।

कविता बिके नहींकृयह राही का स्वाभिमान था

राही जी के संबंध सार्वजनिक जीवन और सत्ता के विभिन्न केंद्रों से रहे, लेकिन उनकी कविता ने सत्ता की चापलूसी का रास्ता नहीं अपनाया। उनके लिए कविता अपने समय की सच्चाई और पीड़ा को अभिव्यक्त करने का माध्यम थी।

उनका यह मुक्तक उनके रचनात्मक स्वभाव को बहुत स्पष्टता से सामने रखता हैकृ

"कुछ भी है, जो कुछ भोगूगा,
वही कहूंगा, वही लिखूगा।
मैं पीड़ा का जायज बेटा,
बाजारों में नहीं बिकूगा।
मैं बिक जाऊंगा तो इस युग
की राम कहानी कौन कहेगा।
पीड़ा गूंगी हो जाएगी
कलमकार जब नहीं रहेगा।"

इन पंक्तियों में राही जी की कविता का मूल स्वभाव दिखाई देता हैकृअनुभव की प्रामाणिकता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता। वे जिस पीड़ा से गुजरते थे, उसे ही कविता का विषय बनाते थे। उनके लिए कवि की पहली जिम्मेदारी अपने समय की सच्चाई को स्वर देना थी।

'ज्योति जवाहर' रू राष्ट्रीय चेतना का काव्य–स्वर

राही जी की चर्चित कृति 'ज्योति जवाहर' ने उन्हें व्यापक पहचान दिलाई। इस कृति की कविताओं में राष्ट्रीय चेतना और देशप्रेम की जो ऊर्जा दिखाई देती है, उसने इसे अपने समय में विशेष लोकप्रियता प्रदान की।

'ज्योति जवाहर' का लोकार्पण तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी द्वारा उनके निवास पर किए जाने का उल्लेख राही जी के साहित्यिक जीवन के महत्वपूर्ण प्रसंग के रूप में किया जाता है। यह कृति इलाहाबाद बोर्ड के हाईस्कूल पाठ्यक्रम में भी शामिल रही और इसकी कविताएँ तत्कालीन साहित्यिक पत्रिका 'साप्ताहिक हिन्दुस्तान' में धारावाहिक रूप से प्रकाशित हुईं।

यह तथ्य बताता है कि राही जी की कविता केवल मंचीय लोकप्रियता तक सीमित नहीं थी; वह अपने समय के व्यापक पाठक–वर्ग तक भी पहुँची।

रचना–संसार की व्यापकता

राही जी निरंतर साहित्य–साधना में रत रहे। उनकी प्रमुख प्रकाशित कृतियों मेंकृ

ज्योति जवाहर
मुक्तक एवं रुबाइयाँ
छाह
दर्द बदनाम न हो
मेरे देश जागते रहना

कृका उल्लेख किया जाता है।

इन रचनाओं के माध्यम से राही जी के साहित्य में राष्ट्रीय भावना के साथ–साथ सामाजिक जीवन, मानवीय पीड़ा, संघर्ष और अपने समय की विसंगतियों के अनेक स्वर दिखाई देते हैं। उनकी कविता का संसार केवल राष्ट्रप्रेम के उद्घोष तक सीमित नहीं है; उसमें उस मनुष्य की पीड़ा भी है जो अपने समय की सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियों से जूझता हुआ जीवन जीता है।

यही कारण है कि राही जी के साहित्य को केवल मंचीय कविता के संदर्भ में देखना उनके रचनात्मक अवदान को सीमित करना होगा। उनके साहित्य में अपने समय की सामाजिक चेतना और मनुष्य के संघर्ष की अनेक परतें मौजूद हैं।

स्मृति से शोध तक

देवी प्रसाद राही पर बहुत कुछ लिखा जाना अभी शेष है। उनके रचना–संसार में राष्ट्रीय चेतना, सामाजिक सरोकार, मानवीय संवेदना और संघर्षशील जीवन के अनेक सूत्र मौजूद हैं। उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर गंभीर शोधकार्य उनकी कविता के उन पक्षों को सामने ला सकता है जो लोकप्रियता और मंचीय स्मृति के पीछे कहीं दब गए हैं।

राही जी की सबसे बड़ी विशेषता शायद यही थी कि उन्होंने कविता को जीवन से अलग नहीं माना। उन्होंने अभाव देखे तो अभाव की पीड़ा लिखी, संघर्ष किया तो संघर्ष की आवाज बनी उनकी कविता और देश के प्रति चिंता हुई तो उनकी लेखनी ने जनमानस को सजग रहने का आह्वान किया।

आज जब साहित्य और कविता के सामने अपने समय से संवाद बनाए रखने की चुनौती है, राही जी का रचनात्मक व्यक्तित्व हमें यह याद दिलाता है कि कवि की पहचान केवल उसकी लोकप्रियता से नहीं, बल्कि उस सत्य से होती है जिसे वह अपने समय के सामने कहने का साहस रखता है।

देवी प्रसाद राही ऐसे ही कवि थेकृजिनकी कविता में देश जागता था, जिनकी चेतना में समाज धड़कता था और जिनके संघर्षों ने उनकी लेखनी को स्वाभिमान दिया।

इस अर्थ में राष्ट्रीय चेतना के इस प्रखर कवि को याद करना केवल अतीत के एक रचनाकार को स्मरण करना नहीं, बल्कि उस साहित्यिक परंपरा को पुनः पहचानना है जिसमें कविता जनजीवन से जुड़ती है, समय का साक्षात्कार करती है और मनुष्य को अपने देश और समाज के प्रति सजग रहने की प्रेरणा देती है।

देवी प्रसाद राही की स्मृति को यही सबसे सार्थक श्रद्धांजलि होगी।

लेखक परिचय

जयराम जय गीत–नवगीत, ग़ज़ल और छंद के सक्रिय रचनाकार हैं। हिन्दी में परास्नातक तथा पत्रकारिता और वास्तुविद्या में शिक्षित जय की कृति 'ज़िंदगी गीत है' प्रकाशित है, जबकि 'छंद की छाँव में' सवैया–घनाक्षरी संग्रह प्रकाशनाधीन है। उनकी रचनाएँ विभिन्न साझा संकलनों में प्रकाशित हुई हैं। वे 'हमारा शहर', 'शेषामृत' और 'धरती बचे प्रदूषण से' जैसी पत्रिकाओं के संपादन–सहयोग से भी जुड़े रहे हैं। उत्तर प्रदेश आवास विकास परिषद से वास्तुविद् अभियंता के रूप में सेवानिवृत्त होकर वे स्वतंत्र लेखन में सक्रिय हैं।

संपर्कः पर्णिका 11/1
कृष्ण विहार,आवास विकास, कल्याणपुर,
कानपुर–208017(उ प्र)
मो.नं.9415429104 –9369848238
ई–मेलः jairamjay2011@gmail.com

सपा–कांग्रेस मिलते हैं तो एक और एक ग्यारह, झगड़ते हैं तो जीरो!

शकील अख्तर

ओवैसी तो बंगाल बिहार हर जगह थे मगर उत्तर प्रदेश में मायावती भी हैं। विपक्ष को यहां कई मोर्चों पर लड़ना है। लेकिन फिलहाल तो वह आपस में लड़ता हुआ ही दिख रहा है। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के नेता आपस में एक दूसरे को नीचा दिखाने में लगे हुए हैं। इससे क्या हासिल होगा? जो वोट भाजपा में जाना नहीं चाहते इन दोनों दलों के नेताओं की एकदम निचले स्तर की बयानबाजी देखकर मजबूरी में ओवैसी और मायावती की तरफ जा सकते हैं। बीजेपी को इससे भी फायदा होगा। भाजपा इस समय रक्षात्मक मुद्रा में है। 12 साल में यह पहली बार है जब बीजेपी बचाव में है और विपक्ष हमला कर रहा है। जनता में भी आक्रोश है। और जो पूरे देश में है यूपी में उससे ज्यादा है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अभी कहा कि एन्टी इन्कम्बेन्सी असर नहीं कर रही। सही है। लेकिन यूपी में सामान्य से बहुत ज्यादा सत्ता विरोधी माहौल (एंटी इन्कम्बेन्सी) है। और चुनाव आयोग के वोट चोरी का उसके ही तीन में दो चुनाव आयुक्तों ने भंडाफोड़ कर दिया है।

चुनाव आयोग के खिलाफ लोगों में गुस्सा है। ऐसे में वह जो अभी तक एंटी इन्कम्बेन्सी को अपनी वोट चोरी से काउंटर कर देती थी अब नहीं कर पाएगी और तब तो बिल्कुल नहीं जब सत्ता विरोधी भावनाएं चरम पर हों। चुनाव आयोग के अलावा भाजपा की जीत का दूसरा सबसे बड़ा कारण हिन्दू–मुसलमान की उसकी राजनीति थी। मगर अब यूपी में हिन्दू –मुसलमान भी चलता हुआ नहीं दिख रहा। हिन्दू –मुसलमान के अलावा दूसरी जातियों के खिलाफ नफरत फैलाना भी यूपी में सबसे ज्यादा हो रहा था।

कुण्डलियाँ

'माटी से पैदा हुआ,'
'माटी का इन्सान।'
'माटी–माटी में मिले,'
'जग का यही विधान।।'
'जग का यही विधान,'
'एक दिन सबको जाना।'
'सभी मुसाफ़िर जीव,'
'नहीं जग मूल ठिकाना।।'
'आना–जाना सत्य,'
'यही जीवन परिपाटी।'
'अदा करें सब फर्ज़,'
'देह तो केवल माटी।।'

'आना–जाना रीति है,'
'कुछ दिन का ठहराव।'
'बड़े भाग्य जीवन मिला,'
'रख परहित का भाव।'
'रख परहित का भाव,'
'न करना इसे अपावन।'
'मिले परम संतुष्टि,'
'बनाओ इसको पावन।।'
'साँसें हैं अनमोल,'
'व्यर्थ मत इन्हें गँवाना।'
'दुनिया एक सराय'
'लगा है आना– जाना।।'

डॉ०राकेश सक्सेना, पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष, 68, शान्तीनगर, एटा (उ०प्र०) 207001

अगर किसी के साथ सोना है तो सो जाऊंगी... इस एक्ट्रेस ने इंडस्ट्री को लेकर दिया बेबाक बयान, बताया- 50 साल के बुड्ढे ने दिया था ऑफर

बोल्ड शो ओटीटी शोज में नजर आकर सुर्खियां बटोरने वालीं एक्ट्रेस सुहाना खान ने अपनी अलग पहचान बनाई है। उल्लू जैसे प्लेटफार्म के प्रोजेक्ट्स में काम कर चुकीं एक्ट्रेस का कहना है कि बोल्ड किरदारों के लिए पहचाने जाने का मतलब यह नहीं है कि वह किसी एक तरह के रोल तक सीमित हो गई हैं। उनके मुताबिक, उन्हें अब भी अपनी पसंद के अलग–अलग तरह के किरदार और अच्छे काम के मौके मिलते हैं। एक्ट्रेस सुहाना ने बताया था कि वह थिएटर में भी काम कर चुकी हैं पर एक्टिंग की बारीकियों से अच्छी तरह वाकिफ हैं। एक पॉडकास्ट के दौरान उन्होंने बोल्ड इंडस्ट्री में इंटिमेट सीन्स की शूटिंग से जुड़ी कई बातें साझा की हैं। सुहाना के मुताबिक, ऐसे सीन्स की शूटिंग पूरी तरह डायरेक्टर के निर्देशों के अनुसार की जाती है। सेट पर फीमेल क्रू मेंबर की मौजूदगी भी सुनिश्चित की जाती है ताकि एक्ट्रेस खुद को सहज और सुरक्षित महसूस कर सके। उन्होंने बताया कि कई बार चौनल और प्रोडक्शन से जुड़े लोग भी सेट पर मौजूद रहते हैं। ऐसे माहौल में एक्ट्रेस के लिए इंटिमेट सीन्स को लेकर किसी तरह की व्यक्तिगत भावना रखना संभव नहीं होता क्योंकि पूरा प्रोसेस एक प्रोफेशनल तरीके से शूट किया जाता है। सुहाना ने आगे कहा कि अगर इंटीमेट सीन्स के दौरान कलाकार उन्हें निजी तौर पर एन्जॉय करने लगें तो सेट का माहौल और काम करने का तरीका पूरी तरह अलग हो जाएगा। उन्होंने इसी संदर्भ में कास्टिंग काउच जैसे मुद्दों का जिक्र किया। सुहाना ने कास्टिंग काउच को लेकर भी अपनी राय साझा की। उन्होंने कहा कि कई बार यह

> सुहाना के मुताबिक, ऐसे सीन्स की शूटिंग पूरी तरह डायरेक्टर के निर्देशों के अनुसार की जाती है। सेट पर फीमेल क्रू मेंबर की मौजूदगी भी सुनिश्चित की जाती है ताकि एक्ट्रेस खुद को सहज और सुरक्षित महसूस कर सके। उन्होंने बताया कि कई बार चौनल और प्रोडक्शन से जुड़े लोग भी सेट पर मौजूद रहते हैं।

किसी की सहमति से होता है और किसी को जबरदस्ती ऐसा करने के लिए मजबूर नहीं किया जाता। उनके मुताबिक, अगर कोई व्यक्ति ऐसी स्थिति के लिए तैयार नहीं है तो वह साफ इंकार कर सकता है। एक्ट्रेस ने यह भी खुलासा किया कि उन्हें खुद इस तरह के अनुभव से गुजरना पड़ा है। हालांकि, उनके साथ किसी बड़े या प्रभावशाली व्यक्ति ने ऐसा व्यव्हार नहीं किया था लेकिन एक प्रोजेक्ट के दौरान उन्हें इस तरह की स्थिति का सामना करना पड़ा। सुहाना ने बताया कि करीब 50 साल के एक शख्स ने प्रोजेक्ट को लेकर पूरी बातचीत होने के बाद उनसे समझौता करने की बात कही। उसने उनसे कहा कि जब उसने उनके लिए इतना कुछ किया है, तो बदले में वह उसके लिए क्या कर सकती हैं। इस अनुभव ने सुहाना को काफी असहज स्थिति में डाल दिया था। वो चाहता था कि मैं उसके साथ सो जाऊं लेकिन ऐसा करने से मैंने साफ मना कर दिया। अगर मुझे किसी के साथ सोना है तो मैं सो जाऊंगी लेकिन इंडस्ट्री में मैं इसका शोर नहीं मचाऊंगी।

गणेश चतुर्थी के दिन सिंगर जुबिन नौटियाल के घर गूंजी किलकारी, घर आया नन्हा राजकुमार... इसी साल गुपचुप तरीके से अप्रैल में रचाई थी शादी

बॉलीवुड के मशहूर सिंगर जुबिन नौटियाल की जिंदगी में खुशियों ने दस्तक दी है। जुबिन अब पिता बन गए हैं। उनकी पत्नी ने गणेश चतुर्थी के खास मौके पर 14 सितंबर को बेटे को जन्म दिया। इस खुशखबरी की जानकारी खुद जुबिन ने साझा की है। उन्होंने बताया कि मां और बच्चा दोनों पूरी तरह स्वस्थ हैं। बेटे के घर आने से जुबिन और उनका परिवार बेहद खुश है। बॉम्बे टाइम्स से बातचीत में जुबिन ने पिता बनने की खुशी जाहिर करते हुए बताया कि उनके बेटे का जन्म गणेश चतुर्थी के शुभ दिन हुआ। उन्होंने कहा कि मां पर बच्चा दोनों अस्पताल से घर लौट चुके हैं और फिलहाल दोनों स्वस्थ हैं। जुबिन ने इस नए सफर को लेकर अपनी खुशी जाहिर की है। जुबिन नौटियाल के फैंस उनके नन्हे बेटे का नाम जानने के लिए उत्सुक हैं। हालांकि, सिंगर ने साफ किया अभी तक बच्चे का नाम तय नहीं किया है। बेटे के नाम को लेकर पूछे गए सवाल पर जुबिन ने बताया कि दिलहल वे किसी नाम पर नहीं पहुंचे हैं और अपने बेटे के साथ बिताए जा रहे हर खूबसूरत पल को पूरी तरह एंजॉय कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, जुबिन नौटियाल ने अप्रैल 2026 में उत्तराखंड में एक निजी समारोह के दौरान अपनी बचपन की दोस्त के साथ शादी की थी। सिंगर ने अपनी शादी को पूरी तरह प्राइवेट रखा और इससे जुड़ी कोई तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा नहीं की। उस समय एक सूत्र ने बताया था कि जुबिन ने अपनी गर्लफ्रेंड के साथ शादी रचा ली है। खास बात यह कि उन्होंने बॉलीवुड से जुड़े लोगों के लिया किसी तरह का रिसेप्शन आयोजित नहीं किया था। जुबिन नौटियाल बॉलीवुड के जाने–माने सिंगर्स में अपनी खास पहचान रखते हैं। उन्होंने साल 2015 में सलमान खान की फिल्म बजरंगी भाईजान के लिए जिंदगी गाना गाया था। इसके बाद उन्होंने कई फिल्मों में अपनी आवाज का जादू बिखेरा। इनमें जज़्बा का बंदिया, बरखा का तू इतनी खूबसूरत है और किस किसको प्यार करूं का श्रेया घोषाल के साथ गाया गया समंदर जैसे गाने शामिल हैं।

`हनुमान अंश' का दिवाना हुआ ये अमेरिकी जियोलॉजिस्ट, खुद बनाया इकतारा फिर गाया `मैंने तेरे ही भरोसे' भजन, लाखों बार देखा गया ये वीडियो

भारतीय भक्ति संगीत और हनुमान भक्ति की गूंज अब अमेरिका तक पहुंचती दिखाई दे रही है। अमेरिकी जियोलॉजिस्ट और वैदिक ध्यान शिक्षक एलेक सोडरबर्ग ने फिल्म 'हनुमान अंश' में शामिल भजन 'मैंने तेरे ही भरोसे हनुमान, सागर में नैया डार दई' अपनी आवाज में गाया है। खास बात यह है कि एलेक ने इसके लिए खुद इकतारा तैयार किया और उसी की धुन पर भजन प्रस्तुत किया। एलेक ने अपने इस भजन का वीडियो इंस्टाग्राम पर साझा किया, जिसे अब तक 15 लाख से ज्यादा बार देखा जा चुका है। वीडियो में वह पारंपरिक तार वाले वाद्य के साथ भजन गाते नजर आ रहे हैं। उनके गायन और भक्ति भाव की सोशल मीडिया पर काफी चर्चा हो रही है। एलेक ने केवल भजन गाया ही नहीं, बल्कि इसके लिए खुद इकतारा भी तैयार किया। इसके बाद उन्होंने भजन गायक सुनील लोधी द्वारा गाए गए मूल भजन को अपनी आवाज में प्रस्तुत किया। वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं ने एलेक के गायन, उच्चारण और भक्ति भाव की सराहना की। बड़ी संख्या में लोगों ने इसे भारतीय आध्यात्मिक संगीत के प्रति विदेशी लोगों की बढ़ती रुचि से

जोड़कर देखा।इकतारा भारतीय लोक और भक्ति संगीत में इस्तेमाल होने वाला पारंपरिक तार वाला वाद्य है। इसे सामान्यतः एक तार वाले वाद्य के रूप में जाना जाता है। भक्ति और लोक संगीत की कई परंपराओं में इसका इस्तेमाल लंबे समय से होता आया है। भोपाल की हुजूर विधानसभा सीट से बीजेपी विधायक रामेश्वर शर्मा ने भी एलेक का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया। उन्होंने लिखा कि 'मैंने तेरे ही भरोसे, हनुमान' भजन की गूंज भारत के साथ विदेशों में भी सुनाई दे रही है और इसे भाषा तथा सीमाओं से परे भक्ति की पहुंच के उदाहरण के रूप में बताया। बता दें कि 'मैंने तेरे ही भरोसे हनुमान, सागर में नैया डार दई' का मूल संस्करण भजन गायक सुनील लोधी ने गाया और संगीतबद्ध किया है। यह भजन फिल्म 'हनुमान अंश' में शामिल है और नीम करौली बाबा तथा हनुमान भक्ति की आध्यात्मिक परंपरा से जुड़ा बताया जाता है।भजन की पंक्तियों में हनुमान जी के प्रति पूर्ण समर्पण का भाव दिखाई देता है। इसमें राम नाम को नाव, भक्ति को पतवार और ज्ञान को जंजीर जैसे रूपकों के माध्यम से आध्यात्मिक भाव व्यक्त किया गया है। एलेक सोडरबर्ग अमेरिका के जियोलॉजिस्ट, वैदिक ध्यान शिक्षक और कीर्तन से जुड़े कलाकार हैं। वे भारतीय आध्यात्मिक परंपराओं, मंत्र, ध्यान और कीर्तन के साथ काम करते हैं। उनकी गतिविधियों में ध्वनि, मंत्र और ध्यान के माध्यम से आध्यात्मिक साधना पर भी जोर दिया जाता है। वह अमेरिकी दक्षिण–पश्चिम के प्राकृतिक और भूगर्भीय स्थलों से जुड़े पर्यटन कार्यों में भी सक्रिय रहे हैं। इस तरह उनका काम एक ओर भूगर्भ विज्ञान और प्राकृतिक स्थलों से जुड़ा है, तो दूसरी ओर भारतीय आध्यात्मिक संगीत और ध्यान से भी उनका संबंध है। एलेक के काम में विज्ञान और अध्यात्म का यह मेल खास तौर पर दिखाई देता है। जियोलॉजी के क्षेत्र से जुड़े होने के साथ–साथ वह कीर्तन और नाद योग को भी आध्यात्मिक अभ्यास के रूप में देखते हैं। उनके सोशल मीडिया पर भारतीय मंत्रों, कीर्तन और आध्यात्मिक संगीत से जुड़े कई वीडियो मौजूद हैं। हनुमान भजन का यह वीडियो भी इसी क्रम का हिस्सा बताया जा रहा है। एलेक के भजन वाले वीडियो को इंस्टाग्राम पर 15 लाख से अधिक बार देखा जा चुका है। वीडियो पर लोगों ने उनकी आवाज और भक्ति भाव को लेकर सकारात्मक प्रतिक्रियाएं दी हैं। इस वीडियो के जरिए एक बार फिर यह चर्चा तेज हुई है कि भारतीय भक्ति संगीत और आध्यात्मिक परंपराओं की लोकप्रियता देश की सीमाओं से बाहर भी दिखाई दे रही है।

सलमान खान की तारीफ करते नहीं थकीं शिल्पा शिंदे, बोलीं– मैंने आपको बहुत मिस किया, काश आप उस शो में होते ...

एक्ट्रेस शिल्पा शिंदे ने बिग बॉस 20 के पिछले वीकेंड का वार एपिसोड के लिए सलमान खान की तारीफ की है, जिसमें सुपरस्टार ने ट्रोल करने वालों को खरी–खोटी सुनाई थी। उन्होंने कहा कि काश सलमान खान उस शो में होते जिसमें उन्होंने काम किया था, तो वह कंटेस्टेंट शिवांगी जोशी को ठीक कर देते, जिन्हें वह इशारों–इशारों में एनाबेला कहती हैं। शिल्पा ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया जिसमें उन्होंने कंटेस्टेंट काजी तौकीर और माही विज का समर्थन किया और कहा कि गेम के प्रति उनका नजरिया बहुत सीधा–सादा और असली है। क्लिप में उन्होंने कहा– मुझे उम्मीद है कि आप बिग बॉस देख रहे होंगे। मैंने बिग बॉस देखा, खासकर वीकेंड वाला एपिसोड। पिछले शनिवार को मैंने जो एपिसोड देखा, हे भगवान, मेरा दिल बहुत खुश हो गया। उन्होंने आगे कहा– काश सलमान खान उस शो में होते जिसमें मैंने अभी काम किया है। तब मैं एनाबेला की क्लास लगा देती। मैं कभी यह नहीं कहती कि तुम्हारा गेम बहुत अच्छा है। लेकिन क्या कहूं, मुझे बहुत मजा आया। वीकेंड एपिसोड देखकर मेरा दिल बहुत खुश हो गया और पता नहीं क्यों, पूरा घर काजी और माही के पीछे पड़ा है। शिल्पा ने कहा कि यह बहुत असली है, यह एक रियलिटी शो है। आप जैसे हैं, वैसे ही दिखते हैं और ये लोग बिल्कुल भी बुरे नहीं हैं। वे बहुत सीधे–सादे तरीके से खेल रहे हैं। इसलिए मैं चाहती हूं कि सब उन्हें पसंद करें, उनका समर्थन करें क्योंकि वे असली हैं। बाकी लोग शायद खुद से कुछ छिपा रहे हैं। वे कुछ और हैं और कुछ और दिखाते हैं। लेकिन खैर, मुझे बहुत मजा आया। सलमान जी, आपने मेरा दिल खुश कर दिया। मैंने इस लॉक–अप शो में आपको बहुत याद किया। और यह खास तौर पर आपके लिए है, सलमान जी के लिए। लॉक अप सच या सजाश को फराह खान और रितेश देशमुख ने होस्ट किया था। इसका ग्रैंड फिनाले 5 अगस्त 2026 को स्ट्रीम हुआ, जिसमें श्रेया कालरा ने सीजन जीता और उन्हें 1 करोड़ रुपये का नकद इनाम मिला, जबकि शिवांगी जोशी रनर–अप रहीं। वहीं, बिग बॉस का 20वां सीजन 6 सितंबर को शुरू हुआ। इसमें 16 सेलिब्रिटी कंटेस्टेंट शामिल हैं, जिनमें एमसी मैरी कॉम, कनिका मान, माही विज, कुशल तंवर, अमन गांधी, ईशा रिखी, आरिशफा खान, काजी तौकीर, आसिफ खान, आम्रपाली दुबे, रीति तिवारी, उदिति सिंह, तन्मय सिंह उर्फ घ्स्काउटओपी, यंग डीएसए और लव गिल जैसे नाम शामिल हैं।

सर्दी–जुकाम और जकड़न के लिए रामबाण है गिलोय का काढ़ा, जानिए बनाने का तरीका

आयुर्वेदिक हर्ब्स को फायदों की खान माना जाता है, क्योंकि इनमें कई औषधीय गुण पाए जाते हैं। ऐसा ही एक हर्ब गिलोय है। जिसका हम सभी ने कभी न कभी इस्तेमाल किया होगा। अगर आपने गिलोय का इस्तेमाल नहीं किया है, तो इसके फायदों के बारे में तो जरूर सुना होगा। आयुर्वेद में गिलोय को अमृत कहा जाता है और इसके फायदे अमृत समान होते हैं। कोरोना काल के समय भी लोगों ने गिलोय का जमकर इस्तेमाल किया था। आयुर्वेदिक दवाओं में भी गिलोय का इस्तेमाल किया जाता है। अक्सर सर्दी–जुकाम और खांसी आदि की समस्या होने पर कुछ चीजों को मिलाकर घर में काढ़ा बनाकर पिया जाता है। काढ़ा हमारी सेहत के लिए फायदेमंद होता है। अगर आप सीने में जकड़न, बलगम या सर्दी–जुकाम से परेशान हैं, तो आप इस समस्या से बचने के लिए गिलोय का देसी काढ़ा बनाकर पी सकते हैं। यह आपकी सेहत को काफी हद तक आराम पहुंचा सकता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि गिलोय का काढ़ा कैसे बनाते हैं और इसके सेवन से क्या फायदा होता है।

गिलोय का काढ़ा पीने का फायदा

बता दें कि एंटी– बायोटिक, एंटी–एजिंग, एंटी–इंफ्लेमेटरी, एंटी–ऑक्सीडेंट, एंटी–वायरल, एंटी–डायबिटिक और एंटी–कैंसर गुण पाए जाते हैं।

यह हमारी इम्यूनिटी को मजबूत करता है और इसके सेवन से कफ, सर्दी–खांसी और सीने की जकड़न दूर होती है।

वेट लॉस में भी गिलोय काफी फायदेमंद मानी जाती है। इससे मेटाबॉलिज्म मजबूत होता है और आसानी से फैट बर्न होता है।

काली मिर्च और लौंग भी सीने में जमा कफ को दूर करने में फायदेमंद हैं। क्योंकि लौंग और काली मिर्च की तासीर गर्म होती है, जिससे गले की खराश और इंफेक्शन की समस्या दूर होती है।

तुलसी के पत्तों का सेवन करने से खांसी और सर्दी–जुकाम में राहत मिलती है। इससे इम्यूनिटी भी मजबूत होती है।

तुलसी एक इम्यूनोमॉड्यूलेटरी हर्ब है, जो सर्दी–खांसी में लाभकारी होती है।

वहीं दालचीनी में एंटी–बैक्टीरियल, एंटी–फंगल और एंटी–वायरल गुण पाए जाते हैं। यह सीने से कफ निकालने में मदद करती है।

शरीर में होने वाले दर्द से राहत पाने के लिए अदरक का सेवन किया जा सकता है। अदरक सर्दी–खांसी को भी कम करती है।

अजवाइन का सेवन करने से इम्यूनिटी मजबूत होती है और आसानी से बलगम बाहर निकालने में मदद करती है।

सामग्री

गिलोय– 2 तने

दालचीनी का टुकड़ा– आधा इंच

काली मिर्च– 4

अजवाइन– आधा टीस्पून

लौंग– 2

अदरक– 1 इंच

तुलसी के पत्ते– 4

कैसे बनाएं काढ़ा

ऊपर बताई गई सभी सामग्रियों को 2 कप पानी में डालकर अच्छे से उबाल लें।

फिर जब यह आधा रह जाए, तो इसको छान लें।

इस काढ़ा को गुनगुना पिएं।

कुछ ही दिनों में आपको राहत मिलेगी।

गमलों के जिद्दी दागों से छुटकारा दिलाएंगे ये घरेलू नुस्खे, चमक जाएगी फर्श

अक्सर घरों में गमलों की भरमार देखने को मिलती है। जिन लोगों को गार्डनिंग का अधिक शौक होता है। वह छत, कमरों और बालकनी में प्लांट या फ्लावर प्लांट रखते हैं। बालकनी में रखे गमले घर की खूबसूरती को बढ़ाने का काम करते हैं। घर में प्लांट लगे होने से हरियाली के साथ सुकून का भी एहसास होता है। हालांकि कई बार इन गमलों के कारण फर्श पर जिद्दी दाग बन जाते हैं। एक ही स्थान पर लंबे समय तक गमले रखने से जिद्दी दाग पड़ जाते हैं। कई बार साफ–सफाई के बाद भी गमलों के जिद्दी दाग फर्श से पूरी तरह से साफ नहीं हो पाते हैं। ऐसे में अगर आपके घर की फर्श पर भी गमलों के जिद्दी दाग पड़ गए हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ बेहतरीन टिप्स देने जा रहे हैं। जिनकी मदद से बालकनी की फर्श से दाग बिलकुल गायब हो जाएंगे।

नमक और नींबू का रस

फर्श से गमलों के दागों को साफ करने के लिए नींबू का रस और नमक का इस्तेमाल कर सकते हैं। सबसे पहले एक बाउल में नमक लें और उसमें नींबू का रस मिला दें। अब गमलों के निशान वाली जगह पर इस पेस्ट को लगा दें। फिर थोड़ी देर बाद फर्श को रगड़कर साफ कर लें।

बेकिंग सोडा और पानी

गमलों की वजह से फर्श पर पड़े जिद्दी दागों को हटाने के लिए बेकिंड सोडा भी कारगर है। आप पानी में 3–4 चम्मच बेकिंग सोडा मिलाकर निशान वाली जगह पर 10 मिनट के लिए लगाएं। फिर क्लीनिंग ब्रश की मदद से फर्श को साफ करें। इससे फर्श पहले जैसी हो जाएगी।

सिरका और पानी

आप विनेगर को एक क्लींजर की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं। यह गमलों के दागों को हटाने का एक बेहतरीन ऑप्शन है। सफेद सिरका और पानी को बराबर मात्रा में मिलाकर घोल बना लें। अब इस घोल को गमलों के निशान वाली जगह पर स्प्रे कर थोड़ी देर के लिए ऐसे ही छोड़ दें। फिर स्पंज या ब्रश की मदद से हल्के से रगड़कर फर्श को साफ कर लें।

टी–ट्री ऑयल और पानी

प्लांट या फ्लावर पॉट की वजह से फर्श पर गंदे निशान पड़ जाते हैं। इन निशानों को मिटाने में टी–ट्री ऑयल काफी मददगार साबित हो सकता है। टी–ट्री ऑयल की कुछ बूंदे पानी में मिलाकर इसे निशानों वाले जगह पर स्प्रे कर कुछ समय के लिए छोड़ दें। फिर ब्रश या कपड़े की मदद से फर्श को रगड़कर साफ कर लें।

अमोनिया पाउडर

फर्श से गमलों के निशान को हटाने में अमोनिया पाउडर भी लाभकारी होता है। 3–4 कप पानी में 3–4 चम्मच अमोनिया पाउडर को घोलकर इसे एक स्प्रे बोतल में भर लें। फिर निशान वाली जगह पर स्प्रे कर 10 मिनट के लिए छोड़ दें। अब 10 मिनट बाद क्लीनिंग ब्रश से रगड़कर फर्श को साफ कर लें।

हार्ट अटैक आने से पहले शरीर को मिलते हैं ये 5 संकेत, पहले से रहें अलर्ट

हमारा शरीर अक्सर हमें ऐसे संकेत देता है जो गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का संकेत हो सकते हैं, लेकिन हम इन्हें अनदेखा कर देते हैं। हार्ट अटैक जैसे खतरनाक हालात से बचने के लिए यह जरूरी है कि हम अपने शरीर के इन संकेतों को समझें। एक हेल्थ एक्सपर्ट ने कुछ अजीब लक्षणों के बारे में बताया है, जो हार्ट अटैक की संभावना को दर्शाते हैं। आइए, जानते हैं ये लक्षण क्या हैं।

धड़कन तेज होना

यदि आपकी दिल की धड़कनें अचानक तेज हो जाती हैं, तो इसे नजरअंदाज न करें। यह संकेत हो सकता है कि आपका दिल सही तरीके से कार्य नहीं कर रहा है। तेज धड़कनें हृदय से जुड़े किसी आघात के होने का संकेत हो सकती हैं, इसलिए इसे गंभीरता से लें।

कान में आवाजें आना

कान में आवाजें आना, जिसे टिनिटस कहा जाता है, एक अन्य महत्वपूर्ण संकेत है। यह समस्या अक्सर महिलाओं में देखी जाती है और इसका संबंध हृदय रोग से हो सकता है। अगर आपको कानों में भिनभिनाहट या गर्जन जैसी आवाजें सुनाई देती हैं, तो यह हार्ट स्ट्रोक का भी संकेत हो सकता है।

पैरों में दर्द होना

अगर आप थोड़ी दूरी चलने पर पैरों में दर्द या ऐंठन का अनुभव कर रहे हैं, तो इसे हल्के में न लें। यह संकेत हो सकता है कि आपके दिल की धड़कनें सही नहीं हैं। पैरों की नसों में होने वाला दर्द हृदय की स्वास्थ्य स्थिति को दर्शा सकता है।

अंगों में सूजन

यदि आपको अपने पैरों, टखनों या बाहों में सूजन महसूस होती है, तो यह हार्ट फेलियर का संकेत हो सकता है। इस स्थिति को एडिमा कहा जाता है, और यह तब होती है जब शरीर के टिश्यू में फ्लूइड जमा हो जाता है। यह संकेत यह भी दर्शाता है कि आपका दिल रक्त को सही से पंप नहीं कर पा रहा है।

पाचन संबंधी समस्याए

अगर आपको सीने में जलन, पेट दर्द, डकार या अपच की समस्या महसूस हो रही है, तो इसे नजरअंदाज न करें। यह हृदय रोग का संकेत हो सकता है, भले ही आप इसे पाचन संबंधी समस्या मानें। सीने में दर्द अक्सर हार्ट अटैक का स्पष्ट संकेत हो सकता है।

दिल की सेहत का ख्याल कैसे रखें

अपने दिल को स्वस्थ रखने के लिए कुछ सरल उपाय अपनाएं

स्वस्थ आहार संतुलित और पौष्टिक आहार का सेवन करें। व्यायाम रोजाना एरोबिक्स या साइकलिंग जैसी एक्सरसाइज करें। धूम्रपान से बचें तंबाकू उत्पादों का सेवन न करें।वजन पर ध्यान अपने वजन को नियंत्रित रखें। नियमित जांए समय–समय पर कोलेस्ट्रॉल लेवल की जांच करवाते रहें। हार्ट अटैक के लक्षणों को पहचानना और समय पर उचित कदम उठाना जीवन को बचाने में मदद कर सकता है। यदि आप इन संकेतों में से किसी का अनुभव कर रहे हैं, तो तुरंत चिकित्सकीय सलाह लें। आपकी स्वास्थ्य सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण है!

सुबह खाली पेट हल्दी का पानी पीने के 7 गजब के फायदे

भारत के घरों में हल्दी एक अनमोल मसाला है, जो न केवल खाने को स्वादिष्ट बनाता है, बल्कि इसके स्वास्थ्य लाभ भी अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं। सुबह खाली पेट हल्दी के पानी का सेवन करने से आपके शरीर को कई अद्भुत फायदों का अनुभव होता है। यह प्राकृतिक उपचार न केवल आपके पाचन को बेहतर बनाता है, बल्कि आपकी इम्युनिटी को भी मजबूत करता है। जानिए, कैसे रोजाना हल्दी का पानी पीने से आप अपने स्वास्थ्य में सुधार ला सकते हैं!

वजन घटाने में मदद

सुबह एक गिलास गुनगुने पानी में एक चुटकी हल्दी मिलाकर पीने से वजन कम करने में मदद मिलती है। हल्दी पेट की चर्बी को पिघलाने में प्रभावी होती है, जिससे आपको अपने वजन को कंट्रोल करने में सहायता मिलती है। इसके नियमित सेवन से मेटाबॉलिज्म भी बढ़ता है, जिससे शरीर में चर्बी कम करने की प्रक्रिया तेज होती है। इस तरह, हल्दी का पानी आपके वजन घटाने के प्रयासों को और भी प्रभावी बनाता है।

पाचन शक्ति में सुधार

हल्दी का पानी पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है। यह अपच, गैस, और एसिडिटी की समस्याओं में राहत प्रदान करता है। सुबह–सुबह हल्दी का पानी पीने से शरीर डिटॉक्स होता है, जिससे आपको तरोताजा और हल्का महसूस होता है। इसके एंटी–इंफ्लामेटरी गुण भी पेट की सूजन को कम करते हैं, जिससे आपकी पाचन क्रिया और भी सुचारू होती है। नियमित रूप से हल्दी का पानी पीने से आप बेहतर पाचन और ऊर्जा स्तर का अनुभव कर सकते हैं।

एंटी–इंफ्लेमेटरी प्रॉपर्टीज

हल्दी में मौजूद एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण शरीर में सूजन को कम करने में मदद करते हैं। सुबह के समय हल्दी का पानी पीने से पेट और चेहरे की हल्की सूजन में आराम मिलता है। यह गुण विशेष रूप से तब फायदेमंद होता है जब आप सुबह उठने के बाद किसी तरह की सूजन का अनुभव कर रहे हों। नियमित रूप से हल्दी का पानी पीने से न केवल आपके शरीर की सूजन कम होती है, बल्कि यह समग्र स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाता है।

इम्युनिटी बूस्टर

हल्दी में एंटी–माइक्रोबियल और एंटी–ऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो रोग–प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद करते हैं। सुबह खाली पेट हल्दी का पानी पीने से आप मौसमी बीमारियों और संक्रमणों से बच सकते हैं। विशेषकर मानसून के मौसम में, जब फ्लू और जुकाम आम होते हैं, हल्दी का पानी एक प्राकृतिक सुरक्षा कवच के रूप में काम करता है। नियमित सेवन से आपका इम्यून सिस्टम मजबूत होता है, जिससे आप स्वस्थ और सक्रिय रहते हैं।

स्किन के लिए लाभदायक

हल्दी में ऐसे विशेष तत्व पाए जाते हैं जो त्वचा की मृत कोशिकाओं को हटाने में मदद करते हैं। इसका नियमित सेवन त्वचा को युवा और चमकदार बनाए रखता है, जबकि कील–मुहांसों की समस्या को भी कम करता है। सुबह खाली पेट हल्दी का पानी पीने से त्वचा की सेहत में सुधार होता है, जिससे आप अधिक तरोताजा और स्वस्थ महसूस करते हैं। इसके अलावा, हल्दी का एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण त्वचा की सूजन को कम करने में भी सहायक होता है, जिससे आपकी त्वचा का रंग निखरता है।

ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करना

हल्दी में करक्यूमिन नामक तत्व होता है, जो शरीर में इंसुलिन की मात्रा को नियंत्रित करता है। यह डायबिटीज से बचने में मदद करता है और रक्त में इंसुलिन के घुलने की प्रक्रिया को धीमा करता है।

हृदय स्वास्थ्य में सुधार

हल्दी का पानी हृदय की सेहत को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके एंटी–इंफ्लामेटरी गुण और करक्यूमिन तत्व कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करते हैं, जिससे हृदय रोगों के जोखिम को कम किया जा सकता है। नियमित रूप से सुबह खाली पेट हल्दी का पानी पीने से रक्त परिसंचरण में सुधार होता है, जो दिल की सेहत को मजबूत बनाता है। यह आपके हृदय को स्वस्थ रखने में सहायक है और संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी है।

किन्हें परहेज करना चाहिए?

हालांकि हल्दी के पानी के फायदों की सूची लंबी है, लेकिन कुछ लोगों को इसे पीने से परहेज करना चाहिए

गर्भवती महिलाएं उन्हें हल्दी के अधिक सेवन से बचना चाहिए। खून पतला करने की दवा लेने वाले हल्दी का सेवन रक्त के थक्के बनने की प्रक्रिया को प्रभावित कर सकता है। गैस्ट्रिक समस्याएं यदि आपको गैस्ट्रिक समस्या है, तो हल्दी के पानी का सेवन सीमित करें। एलर्जी अगर आपको हल्दी से एलर्जी है, तो इसका सेवन न करें। सुबह खाली पेट हल्दी का पानी पीना एक सरल और प्रभावी तरीका है स्वास्थ्य को बनाए रखने का। इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करें और इसके फायदों का अनुभव करें।

एशियन गेम्सः पुरुष क्रिकेट में क्वार्टर फाइनल देखने को तरसे फैंस, बिना कोई गेंद फेंके तय हुई अंतिम चार टीमें

आइची नागोया। एशियन गेम्स में पुरुष क्रिकेट के क्वार्टर फाइनल देखने के लिए फैंस को मैदान पर गेंद चलने का इंतजार ही करना पड़ा, लेकिन बारिश ने किसी मुकाबले में एक भी गेंद नहीं होने दी। चारों क्वार्टर फाइनल रद्द होने के बाद अब भारत, श्रीलंका, पाकिस्तान और बांग्लादेश सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। बेहतर रैंकिंग के आधार पर चारों टीमों को अगले दौर का टिकट मिला। भारत अब एक अक्तूबर को श्रीलंका से भिड़ेगा, जबकि पाकिस्तान के सामने बांग्लादेश की चुनौती होगी। यानी बिना क्वार्टर फाइनल खेले ही टूर्नामेंट की अंतिम चार टीमें तय हो गईं।

बारिश ने तय किया भारत का विरोधी

नेपाल और श्रीलंका के बीच क्वार्टर फाइनल मुकाबला मंगलवार सुबह खेला जाना था, लेकिन बारिश के कारण इसे रद्द करना पड़ा। दोनों टीमों के मैदान पर उतरने से पहले ही मुकाबले के नतीजे का रास्ता रैंकिंग से तय हो गया। बेहतर रैंकिंग के कारण श्रीलंका ने सेमीफाइनल में जगह बनाई और अब उसका सामना भारत से होगा। पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच पहला सेमीफाइनल एक अक्तूबर को सुबह 5रू30 बजे से, जबकि भारत और श्रीलंका के बीच दूसरा सेमीफाइनल एक अक्तूबर को सुबह 10 बजे भारतीय समयानुसार खेला जाएगा। नेपाल के लिए यह निराशाजनक रहा। टीम ने अफगानिस्तान को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी, लेकिन श्रीलंका के खिलाफ उसे मैदान पर उतरने का मौका ही नहीं मिला।

चारों क्वार्टर फाइनल बारिश में धुले

नेपाल–श्रीलंका मुकाबले के बाद बांग्लादेश और मलयेशिया के बीच क्वार्टर फाइनल भी बारिश की भेंट चढ़ गया। इसके साथ ही पुरुष क्रिकेट के चारों क्वार्टर फाइनल मुकाबले रद्द हो गए। नतीजा यह रहा कि एक भी गेंद खेले बिना चार सेमीफाइनलिस्ट तय हो गए। बेहतर रैंकिंग वाली टीमों को अगले दौर में जगह मिली।

सेमीफाइनल भी धुला तो भारत को फायदा

अब भारत और श्रीलंका के सेमीफाइनल पर भी बारिश का खतरा बना हुआ है। अगर मुकाबला बारिश के कारण पूरी तरह रद्द हो जाता है, तो बेहतर रैंकिंग के आधार पर भारत फाइनल में पहुंच जाएगा। भारत टी20 रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर है, जबकि श्रीलंका नौवें स्थान पर है। ऐसे में भारत को फाइनल में जगह बनाने के लिए हर हाल में मैदान पर जीत दर्ज करने की जरूरत नहीं होगी, अगर बारिश के कारण मुकाबला रद्द होता है। पाकिस्तान और बांग्लादेश के सेमीफाइनल में भी यही समीकरण लागू होगा। पाकिस्तान की टी20 रैंकिंग छठी है, जबकि बांग्लादेश आठवें स्थान पर है। अगर यह मुकाबला भी बारिश के कारण रद्द होता है तो पाकिस्तान बेहतर रैंकिंग के आधार पर फाइनल में पहुंच जाएगा।

क्या बनेगा भारत–पाकिस्तान फाइनल?

अब एशियन गेम्स में भारत और पाकिस्तान के बीच संभावित फाइनल का इंतजार बढ़ गया है। अगर दोनों टीमें एक अक्तूबर को अपने–अपने सेमीफाइनल जीतती हैं तो तीन अक्तूबर को स्वर्ण पदक के लिए भारत और पाकिस्तान आमने–सामने होंगे। अगर दोनों टीमें सेमीफाइनल में हारती हैं तो तीन अक्तूबर को कांस्य पदक के लिए दोनों की भिड़ंत हो सकती है। वहीं, अगर भारत सेमीफाइनल जीतता है और पाकिस्तान–बांग्लादेश का मुकाबला बारिश के कारण रद्द होता है, तो पाकिस्तान बेहतर रैंकिंग के आधार पर फाइनल में पहुंच जाएगा। ऐसे में भी भारत–पाकिस्तान फाइनल की राह खुली रहेगी।

श्री चरणी ने T20I Bowling Rankings में रचा इतिहास, 817 पॉइंट्स के साथ बनाया नया रिकॉर्ड

भारत की श्री चरणी ने महिला ज्20ए बॉलिंग रैंकिंग में सबसे ज़्यादा रेटिंग पॉइंट्स का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। 22 साल की इस खिलाड़ी ने एशिया कप और एशियन गेम्स जैसे दो बड़े टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए 817 पॉइंट्स हासिल किए। इसके साथ ही, उन्होंने मेगन शट का सबसे ज़्यादा पॉइंट्स का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया, जो नवंबर 2018 में बना था। ऑस्ट्रेलिया की इस खिलाड़ी के नाम 806 पॉइंट्स का रिकॉर्ड था और चरणी के इसे तोड़ने से पहले यह रिकॉर्ड लगभग आठ साल तक कायम रहा। खास बात यह है कि भारत के आठवें एशिया कप खिताब जीतने के सफर में चरणी ने 12 विकेट लिए। श्रीलंका के खिलाफ़ फ़ाइनल मैच में उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया; उन्होंने 20 रन देकर चार विकेट लिए और भारत ने 72 रनों से मैच जीतकर खिताब अपने नाम किया। चरणी ने जापान में हुए एशियाई खेलों में भी अपना शानदार फ़ॉर्म जारी रखा। मेज़बान टीम के ख़िलाफ़ चरणी ने 4/10 के अपने करियर के सबसे अच्छे आंकड़े दर्ज किए, जिससे भारत को सेमीफ़ाइनल में पहुँचने में मदद मिली। इसके बाद, 22 सितंबर को श्रीलंका के ख़िलाफ़ गोल्ड–मेडल मैच में उन्होंने दो विकेट लिए, जिसमें भारत ने 147 रनों से जीत हासिल की। इस प्रदर्शन से उनकी रेटिंग रिकॉर्ड 817 तक पहुँच गई। वहीं, एशियाई खेलों के फ़ाइनल में तीन विकेट लेने के बाद दीप्ति शर्मा भी T20I बॉलिंग रैंकिंग में ऊपर पहुँचीं। अब उनके 754 पॉइंट्स हैं, जबकि इंग्लैंड की सोफ़ी एक्लेस्टोन 723 पॉइंट्स के साथ तीसरे स्थान पर हैं। एशियाई खेलों के फ़ाइनल में श्रीलंका के ख़िलाफ़ 79 रन बनाने के बाद स्मृति मंधाना T20I बैटिंग रैंकिंग में टॉप पांच में वापस आ गई हैं। हरारे में ज़िम्बाब्वे और वेस्टइंडीज़ के बीच चल रही सीरीज़ (जो अभी 1–1 से बराबरी पर है) के बाद व्क् रैंकिंग में कुछ अहम बदलाव हुए हैं। वेस्टइंडीज़ की कप्तान हेले मैथ्यूज पहले मैच में रिकॉर्ड 182 रन बनाने के बाद 711 पॉइंट्स के साथ व्क् बल्लेबाज़ों की रैंकिंग में तीन पायदान ऊपर चढ़कर चौथे स्थान पर आ गई हैं।

रियालिना ग्रिमंड 270 पॉइंट्स के साथ 34 पायदान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 102वें स्थान पर पहुंच गई हैं। वेस्टइंडीज़ की गेंदबाज़ अश्विनी मुनिसार और आलिया एलीन भी आगे बढ़ी हैं और क्रमशः संयुक्त रूप से 84वें और 58वें स्थान पर पहुंच गई हैं। वहीं, एशले गार्डनर ODI ऑल–राउंडर्स में टॉप पर बनी हुई हैं, जबकि मैथ्यूज T20I ऑल–राउंडर्स में सबसे आगे हैं। अलाना किंग ODI बॉलिंग में टॉप पर हैं, बेथ मूनी T20I बैटिंग में सबसे आगे हैं और मंधाना व्क् बैटिंग में नंबर 1 पर बनी हुई हैं।

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

नई राष्ट्रीय इस्पात नीति पर काम तेज, एक हफ्ते में जारी होगा 2047 का ड्राफ्ट

इस्पात सचिव संदीप पौंड्रिक ने मंगलवार को कहा कि सरकार उद्योग की प्रतिस्पर्धा क्षमता बढ़ाने और आयात संबंधी चुनौतियों से निपटने के लिए नयी राष्ट्रीय इस्पात नीति पर काम कर रही है। इस नीति का मसौदा करीब एक सप्ताह में सार्वजनिक किया जाएगा और हितधारकों से इस पर सुझाव मांगे जाएंगे। उन्होंने कहा कि नयी नीति में भारतीय इस्पात उद्योग के लिए 2047 तक का खाका तय किया जाएगा। इस्पात मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी ने साथ ही बताया कि इससे जुड़ी एक योजना तैयार की जा रही है, जिसके तहत इस्पात क्षेत्र में उत्सर्जन कम करने को प्रोत्साहित करने के लिए 5,000 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। उद्योग संगठन भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा आयोजित 'मैन्युफैक्चरिंग कॉन्फ्लुएंस 2026' कार्यक्रम से इतर पत्रकारों से बातचीत में पौंड्रिक ने कहा कि राष्ट्रीय इस्पात नीति को करीब एक सप्ताह में सार्वजनिक किया जाएगा और हितधारकों से इस पर सुझाव मांगे जाएंगे। उन्होंने कहा, ''यह नीति 2047 तक भारत को विकसित भारत के लक्ष्य तक पहुंचाने के दृष्टिकोण के साथ तैयार की जा रही है।'' सचिव ने कहा कि आयात के मामले में नीति में सस्ते व घटिया आयात को हतोत्साहित करने के उपाय किए जाएंगे। इसमें सुरक्षा उपायों के तौर पर सुरक्षा शुल्क, डंपिंग रोधी शुल्क आदि शामिल हैं। इसके साथ ही भारतीय इस्पात उद्योग, खासकर छोटे इस्पात उत्पादकों को प्रौद्योगिकी और कीमत के मामले में प्रतिस्पर्धी बनाने पर भी जोर दिया जाएगा। सरकार ने 2017 में राष्ट्रीय इस्पात नीति पेश की थी, जिसका लक्ष्य अन्य पहलुओं के साथ–साथ 2030 तक भारत की इस्पात विनिर्माण क्षमता बढ़ाकर 30 करोड़ टन करना, खपत बढ़ाना और कच्चे माल की उपलब्धता सुनिश्चित करना था। अधिकारी ने हालांकि बताया कि मौजूदा चुनौतियों और जरूरतों को देखते हुए 2017 की नीति की ''फिर से समीक्षा किए जाने की जरूरत थी।'' इस्पात सचिव ने कहा कि 2017 के बाद कृत्रिम मेधा (एआई), मशीन लर्निंग (एमएल) और तकनीकी उन्नयन जैसी उभरती प्राथमिकताओं पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है। इसके अलावा, बढ़ती खपत और क्षमता के साथ वैश्विक इस्पात क्षेत्र में भारत की स्थिति भी मजबूत हुई है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का एकमात्र प्रमुख देश है, जहां इस्पात उत्पादन क्षमता और खपत इतनी तेजी से बढ़ रही है। इसके साथ ही कार्बन उत्सर्जन में कमी और टिकाऊपन जैसी चुनौतियां भी हैं। पौंड्रिक ने कहा, ''इसीलिए हम नयी नीति ला रहे हैं ताकि 2047 तक अगले दो दशकों के लिए एक खाका तैयार हो।'' कार्यक्रम में अधिकारी द्वारा दिए गए प्रस्तुतीकरण के अनुसार, नयी नीति में सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) के लिए विभिन्न उपायों का प्रस्ताव है।

ई20 पेट्रोल से कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता घटेगी, ONGC अधिकारी ने गिनाए फायदे

ओएनजीसी के निदेशक (अन्वेषण) ओम प्रकाश सिन्हा ने सोमवार को कहा कि ई20 पेट्रोल से आयात में उल्लेखनीय कमी लाने और आत्मनिर्भरता को काफी हद तक बढ़ाने में मदद मिल सकती है। सिन्हा ने अहमदाबाद में ओएनजीसी इंस्टीट्यूट ऑफ रिजर्वायर स्टडीज में आयोजित इंडिया एनर्जी वीक (आईईडब्ल्यू) 2027 के सोमवार को आयोजित 'कर्टन रेजर' कार्यक्रम में कहा, ''ई20 पेट्रोल एक चुनौती है, लेकिन प्रौद्योगिकी के साथ इसका समाधान भी निकलेगा। हम करीब 90 प्रतिशत आयात करते हैं। इसलिए अगर हम उपभोक्ताओं के लिए किसी तरह की परेशानी पैदा किए बिना 20 प्रतिशत एथनॉल का सफलतापूर्वक मिश्रण कर पाते हैं, तो आप समझ सकते हैं कि आयात में कितनी

महत्वपूर्ण कमी आएगी और हमारी आत्मनिर्भरता कितनी बढ़ेगी।'' इसका मुख्य कार्यक्रम कोलकाता में आयोजित किया गया था। अहमदाबाद कार्यक्रम को ऑनलाइन माध्यम से उससे जोड़ा गया। आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, आईईडब्ल्यू 2027 का आयोजन 28 से 31 जनवरी तक कोलकाता के न्यू टाउन कन्वेंशन सेंटर में किया जाएगा। अहमदाबाद के कार्यक्रम में सिन्हा ने कहा कि भारत में ऊर्जा की अतिरिक्त आवश्यकता दुनिया में सबसे अधिक है, जिससे ऊर्जा संबंधी जरूरतों, समस्याओं और उनके समाधान पर चर्चा के लिए आईईडब्ल्यू एक महत्वपूर्ण मंच बन जाता है। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में युद्ध के बीच देश विदेशी स्रोतों पर अपनी निर्भरता कम करने की कोशिश कर रहे हैं। सिन्हा ने पत्रकारों से कहा, ''युद्ध के कारण आज हर देश समझता है कि हमें विदेशी देशों पर अपनी निर्भरता जितना संभव हो सके उतना कम करनी चाहिए। हमारे पास केवल एक विकल्प नहीं होना चाहिए। हमें कई विकल्प रखने चाहिए। अगर कोई एक रास्ता बंद हो जाता है, तो हमारे पास वैकल्पिक रास्ते होने चाहिए, ताकि हमारे लोगों की जरूरतें प्रभावित न हों। इस दिशा में पहले से ही काम किया जा रहा है।'' उन्होंने कहा कि घरेलू उत्पादन बढ़ाने के लिए ओएनजीसी गहरे पानी वाले क्षेत्रों समेत सीमांत और कम खोजे गए क्षेत्रों पर अपना ध्यान बढ़ा रहा है। विज्ञप्ति के अनुसार, आईईडब्ल्यू के 2027 संस्करण में 75,000 से अधिक ऊर्जा क्षेत्र के पेशेवरों और 700 से अधिक अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शकों के शामिल होने की उम्मीद है। इससे नवाचार प्रदर्शित करने, रणनीतिक संवाद को बढ़ावा देने और दीर्घकालिक साझेदारी बनाने के लिए एक बड़ा मंच तैयार होगा। इसमें कहा गया कि पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के संरक्षण में और फेडरेशन ऑफ इंडियन पेट्रोलियम इंडस्ट्री (एफआईपीआई) द्वारा आयोजित आईईडब्ल्यू भारत का प्रमुख अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा मंच बन गया है।

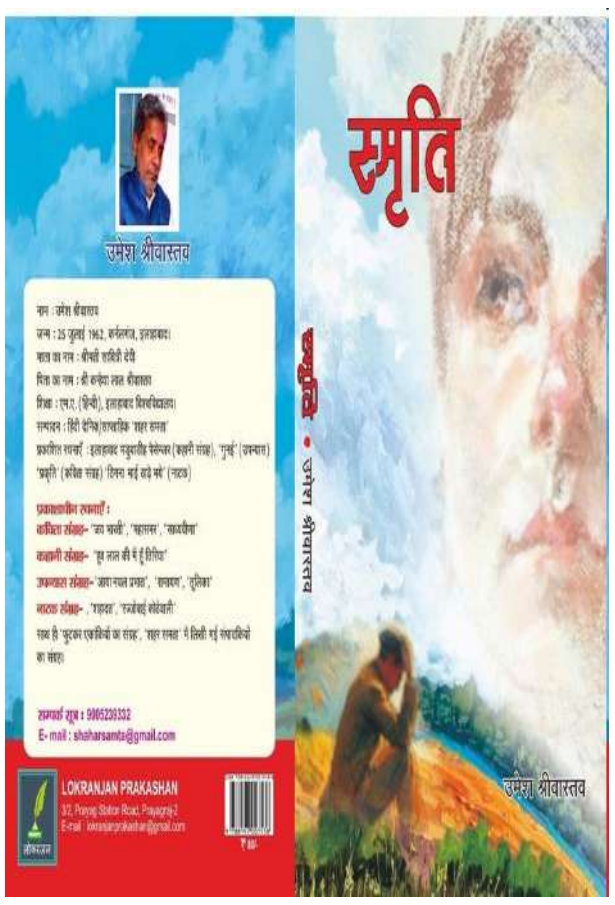

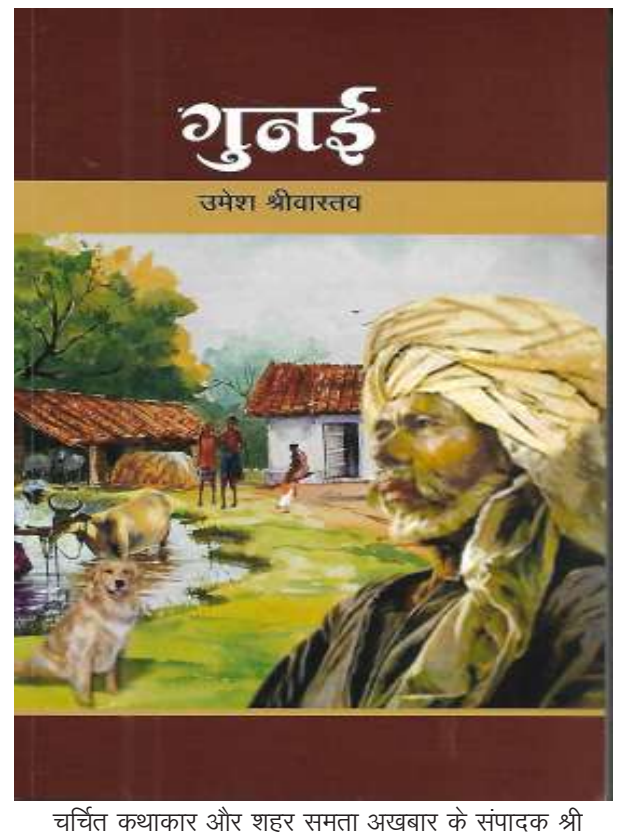

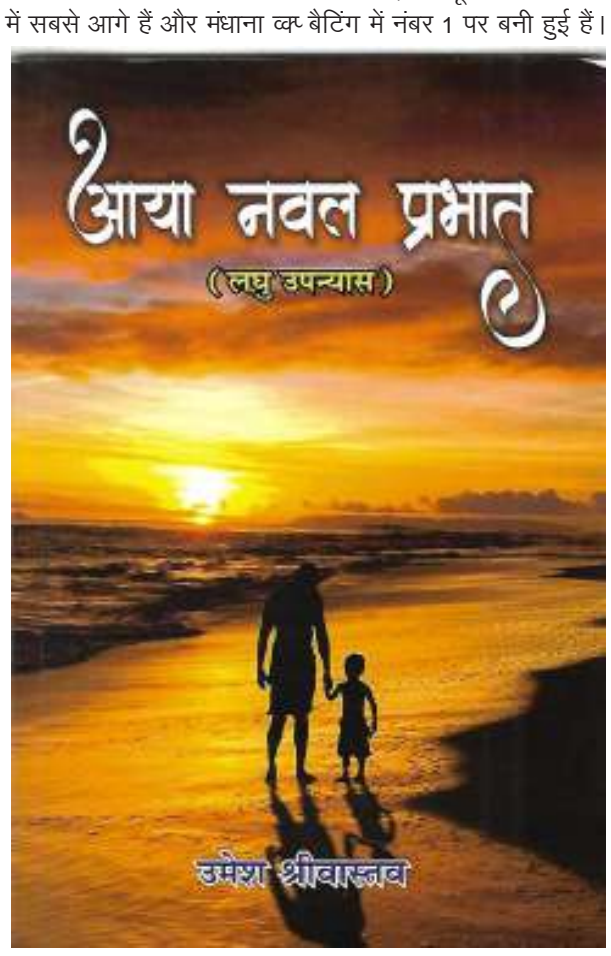

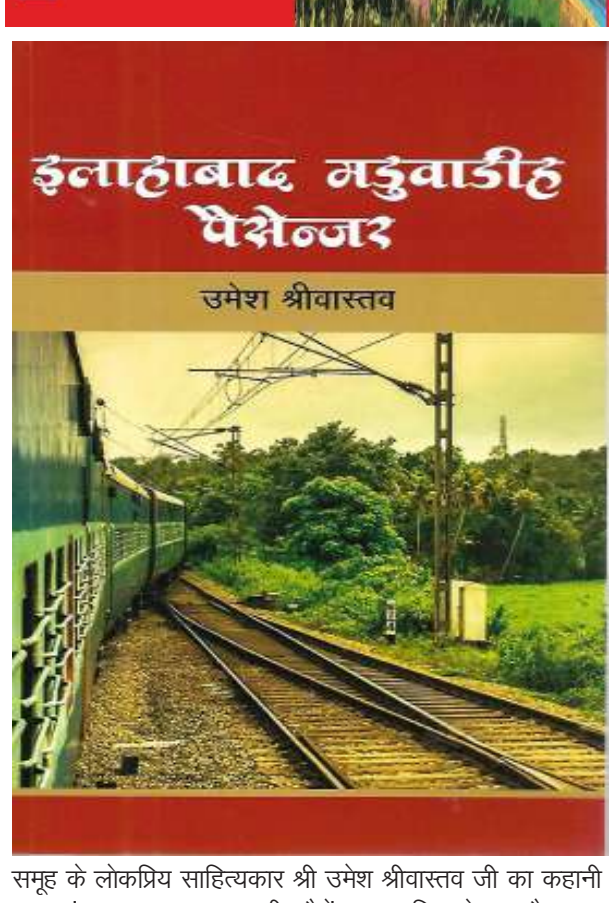

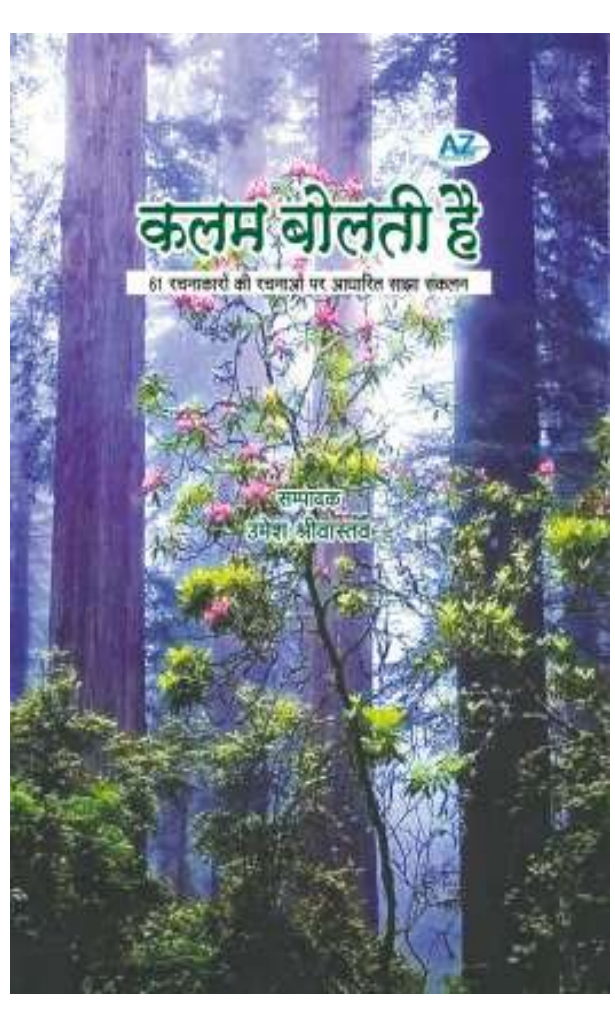

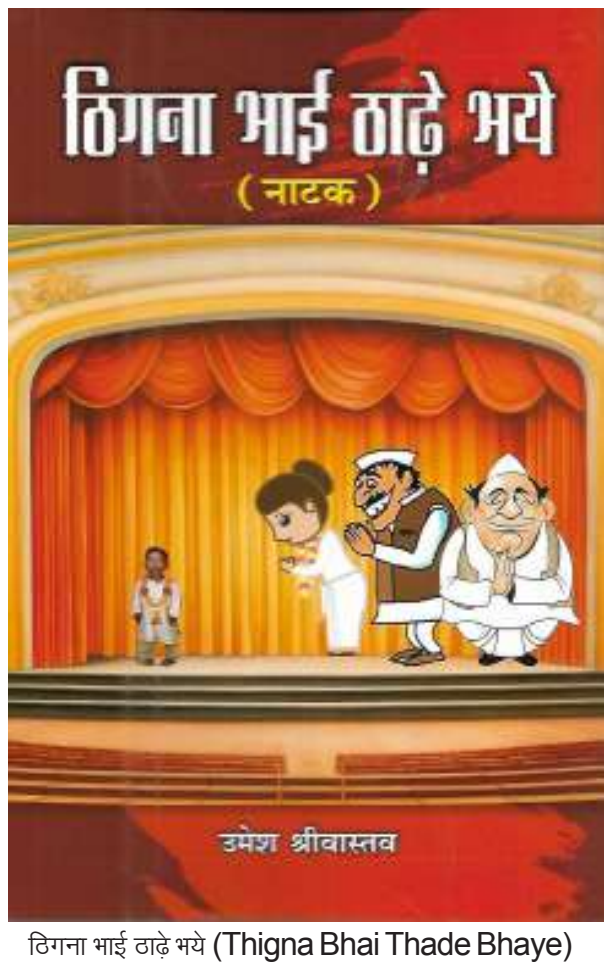

म्यांमार में हैवानियत की हदें पार! `बम फटे, इमारतें जलीं और पल भर में बिछ गए 49 शव'... रखाइन में खूनी हमले से दहली दुनिया!

म्यांमार के पश्चिमी रखाइन राज्य में सेना के एक भीषण हवाई हमले ने पूरे क्षेत्र को दहला दिया है। शक्तिशाली जातीय विद्रोही समूह 'अराकान आर्मी' और स्थानीय राहत कार्यकर्ताओं के अनुसार, सोमवार दोपहर क्यौकटाव टाउनशिप में स्थित एक मुख्य थोक बाजार के पास म्यांमार वायुसेना के लड़ाकू विमान ने दो शक्तिशाली बम गिराए। इस दर्दनाक हमले में कम से कम 49 आम नागरिकों की मौत हो गई, जबकि 58 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। मारे गए और घायलों में स्थानीय फल–सब्जी विक्रेता, खरीदार और राहगीर शामिल हैं। घायलों में से 22 लोगों की स्थिति बेहद नाजुक बताई जा रही है, जिससे मृतकों का आंकड़ा और बढ़ने की आशंका है। क्यौकटाव टाउनशिप में हुआ यह हमला म्यांमार में लंबे समय से चल रहे सशस्त्र संघर्ष के बीच हुई हालिया जानलेवा हवाई कार्रवाई है। यह संघर्ष फरवरी 2021 में आंग सान सू की की चुनी हुई सरकार से सेना द्वारा सत्ता हथियाने के बाद से और तेज़ हो गया है।

क्यौकटाव में बाज़ार इलाके पर हवाई हमला

अराकान आर्मी के अनुसार, सोमवार दोपहर के समय एक लड़ाकू विमान ने स्थानीय बाज़ार के पास दो बम गिराए। समूह ने बताया कि हमले में 49 लोगों की मौत हुई और 58 अन्य घायल हो गए। घायलों में से 22 की हालत गंभीर बताई गई है। रखाइन में बचाव कार्य से जुड़े वरिष्ठ अधिकारी वाई हुन आंग ने भी घटनास्थल पर मौजूद बचाव कर्मियों का हवाला देते हुए श्द एसोसिएटेड प्रेसश को हताहतों की संख्या की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि यह बाज़ार इलाके का मुख्य थोक केंद्र है और यहाँ रखाइन राज्य के विभिन्न हिस्सों से व्यापारी और खरीदार आते हैं। उन्होंने कहा, ष्यह रखाइन में हुए सबसे भीषण हवाई हमलों में से एक है। क्यौकटाव, म्यांमार के दूसरे सबसे बड़े शहर मांडले से लगभग 340 किलोमीटर (210 मील) पश्चिम में स्थित है। इस टाउनशिप पर अराकान आर्मी का नियंत्रण है, जो देश के सबसे शक्तिशाली जातीय सशस्त्र संगठनों में से एक के रूप में उभरा है।

इमारतों को नुकसान, वाहनों में आग

सोशल मीडिया पर वायरल हो रही तस्वीरों और वीडियो में हमले के बाद की स्थिति दिखाई दी, जिसमें जलती हुई इमारतें, क्षतिग्रस्त वाहन और पास के एक पुल के कुछ हिस्सों को हुआ नुकसान शामिल था। हालाँकि, इस हमले की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी। म्यांमार सेना ने इस घटना पर तुरंत कोई टिप्पणी नहीं की। सेना का पहले से ही यह कहना रहा है कि उसके हवाई अभियान वैध सैन्य ठिकानों को निशाना बनाते हैं और उसने सशस्त्र विद्रोही समूहों पर आतंकवाद का आरोप लगाया है। इस बीच, अराकान आर्मी ने सेना पर जान–बूझकर हवाई हमले करने का आरोप लगाया, जिससे बड़ी संख्या में आम नागरिक हताहत हुए। मंगलवार सुबह जारी एक बयान में, समूह ने कहा कि वह उन लोगों और संगठनों के खिलाफ जल्द ही प्रभावी जवाबी कार्रवाई करेगा जो जान–बूझकर किए गए हवाई हमलों के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार हैं, जिनसे भारी जान–माल का नुकसान हुआ है।

म्यांमार संघर्ष में आम नागरिक मारे गए और विस्थापित हुए हैं

म्यांमार 1 फरवरी, 2021 से संघर्ष में उलझा हुआ है, जब सेना ने आंग सान सू की के नेतृत्व वाली चुनी हुई सरकार को हटा दिया था। व्यापक विरोध प्रदर्शनों पर सुरक्षा बलों की कार्रवाई के कारण सैन्य शासन के कई विरोधियों ने हथियार उठा लिए, जबकि जातीय सशस्त्र संगठनों ने देश के कई हिस्सों में अपने सैन्य अभियान बढ़ा दिए। इसके परिणामस्वरूप संघर्ष म्यांमार के बड़े हिस्सों में फैल गया है, जिसमें प्रतिरोध बल और स्थापित जातीय सशस्त्र समूह सेना से लड़ रहे हैं। रखाइन राज्य लड़ाई के प्रमुख मैदानों में से एक रहा है। अराकान आर्मी ने नवंबर 2023 में वहां एक बड़ा हमला शुरू किया और तब से रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्रीय सैन्य मुख्यालय और राज्य के 17 में से 14 कस्बों पर कब्जा कर लिया है। यह समूह एक ऐसे आंदोलन की सशस्त्र शाखा है जो म्यांमार की केंद्रीय सरकार से रखाइन के जातीय अल्पसंख्यकों के लिए अधिक स्वायत्तता की मांग कर रहा है।

लड़ाई से रखाइन में भोजन की कमी और गंभीर हो गई है

लड़ाई बढ़ने से रखाइन राज्य में आवाजाही और व्यापार भी बाधित हुआ है। सेना ने व्यापार मार्गों पर कड़े प्रतिबंध लगा दिए हैं, जिससे संघर्ष से प्रभावित क्षेत्रों में भोजन की कमी और गंभीर हो गई है। यह नवीनतम हवाई हमला रखाइन में सेना के एक अन्य घातक हवाई हमले के महीनों बाद हुआ है। अराकान आर्मी और स्थानीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, दिसंबर में म्राउक–यू टाउनशिप में एक अस्पताल पर हुए हवाई हमले में कम से कम 34 लोग मारे गए और 80 अन्य घायल हो गए।

रखाइन एक प्रमुख तनावपूर्ण क्षेत्र क्यों बना हुआ है

अराकान आर्मी द्वारा तेजी से क्षेत्र पर कब्जा करने के कारण रखाइन म्यांमार के व्यापक संघर्ष का एक प्रमुख केंद्र बन गया है। राज्य के अधिकांश कस्बों पर इसके नियंत्रण ने इसे सेना के साथ लगातार टकराव की स्थिति में ला दिया है। लड़ाई जारी रहने और व्यापार मार्गों पर भारी प्रतिबंधों के कारण, प्रभावित क्षेत्रों में आम नागरिक हिंसा, विस्थापन और आवश्यक वस्तुओं की कमी के संयुक्त प्रभाव का सामना कर रहे हैं।

संक्षिप्त

इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने की यूएई की गोपनीय यात्रा, राष्ट्रपति शेख मोहम्मद से मिले

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इस सप्ताहांत गोपनीय तरीके से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की यात्रा की। दोनों देशों ने सोमवार को इस यात्रा की आधिकारिक पुष्टि की। मामले से परिचित सूत्रों के हवाले से इजराइल के 'चौनल 12' की ओर से दी गई खबर के अनुसार, नेतन्याहू और यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के बीच रविवार को हुई बैठक करीब एक घंटे तक चली। इस घटनाक्रम से परिचित एक सूत्र ने बताया कि वार्ता के केंद्र में इजराइली दैनिक समाचार पत्र 'हारेत्ज' में इस महीने की शुरुआत में प्रकाशित वह खबर थी, जिसमें कहा गया था कि यूएई के नेता ने सात अक्टूबर 2023 के हमले से ठीक पहले नेतन्याहू को हमास के संभावित हमले की चेतावनी दी थी। बैठक की प्रत्यक्ष जानकारी रखने वाले एक अन्य सूत्र के अनुसार, नेतन्याहू ने शेख मोहम्मद से इस खबर का सार्वजनिक रूप से खंडन करने का आग्रह किया। नेतन्याहू का कार्यालय पहले ही 'हारेत्ज' की इस खबर को खारिज कर चुका है। यूएई ने सोमवार देर रात इस बैठक की पुष्टि करते हुए कहा कि दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों और ''उन्हें मजबूत तथा विकसित करने के तौर–तरीकों'' पर चर्चा की। नेतन्याहू के कार्यालय ने भी सोमवार देर रात बयान जारी कर कहा कि बैठक का उद्देश्य ''द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना'' था। हालांकि, कार्यालय ने यूएई के नेता से खबर के संबंध में किसी भी तरह का अनुरोध किए जाने से इनकार किया। कार्यालय ने यह भी बताया कि इजराइल की सुरक्षा एजेंसी 'शिन बेट' ने 'चौनल 12' के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि चौनल ने नेतन्याहू के इजराइल लौटने से पहले ही उनकी यात्रा की खबर प्रसारित करके नियमों का उल्लंघन किया।

FBI की मोस्ट वांटेड सूची में शामिल हुआ गोल्डी बराड़ , 10 लाख डॉलर इनाम

वाशिंगटन। अमेरिका के संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) ने सोमवार को कुख्यात अपराधी सतिंदरजीत सिंह उर्फ गोल्डी बराड़ को 10 शीर्ष वांछित भगोड़े अपराधियों की सूची में शामिल किया और उसकी गिरफ्तारी में सहायक सूचना देने पर 10 लाख अमेरिकी डॉलर के इनाम की घोषणा की। एफबीआई ने कहा, ''लॉरेंस बिश्नोई के नेतृत्व वाले संगठित अपराध गिरोह

में कथित संलिप्तता के लिए सतिंदरजीत सिंह वांछित है। यह गिरोह दक्षिणी कैलिफोर्निया के साथ–साथ पूरे अमेरिका और कनाडा में कई तरह की हिंसक गतिविधियों में शामिल है।'' जांच एजेंसी ने चेतावनी दी कि गोल्डी बराड़ को हथियारों के साथ रहने वाला और खतरनाक अपराधी माना जाना चाहिए जिसके देश छोड़ने का जोखिम है। एफबीआई के अनुसार, गोल्डी बराड़ राजनीतिक और धार्मिक नेताओं की हत्या, गोलीबारी, हत्या के प्रयास, अपहरण, रंगदारी, मारपीट तथा मादक पदार्थों और हथियारों की तस्करी जैसी गतिविधियों में कथित तौर पर शामिल है। एफबीआई ने कहा कि गोल्डी बराड़ अमेरिका में है और उत्तरी अमेरिका में गिरोह का कथित सरगना है। अमेरिकी अटॉर्नी (फर्स्ट असिस्टेंट) बिल एसाइली ने कहा, ''एफबीआई की 10 शीर्ष वांछित भगोड़ों की सूची में इस आरोपी का शामिल होना अंतरराष्ट्रीय आपराधिक गिरोहों पर कानून का शिकंजा कसने के सरकार के संकल्प को रेखांकित करता है।'' उन्होंने कहा, ''कनाडा, यूरोप और एशिया की कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ मिलकर हम गोल्डी बराड़ जैसे अपराधियों को पकड़ने का अभियान जारी रखेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि वे दोबारा कभी जेल से बाहर न आ सकें।'' रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) की उप आयुक्त लिसा मोरलैंड ने कहा, ''गोल्डी बराड़ और उसके गिरोह ने हत्याओं, गोलीबारी, जान से मारने की धमकियों, रंगदारी, आगजनी की घटनाओं को अंजाम दिया है और मादक पदार्थ की तस्करी कर कई जिंदगियों को तबाह किया है।'' लॉस एंजिलिस में एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान मोरलैंड ने कहा, ''अगर हमें पता होता कि वह इस समय कहां है, तो हम आज यहां नहीं होते।''

व्हाइट हाउस बैन के खिलाफ सीएनएन समेत तीन मीडिया संस्थान पहुंचे यूएस कोर्ट

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा इस महीने व्हाइट हाउस परिसर से प्रतिबंधित किए गए तीन समाचार संस्थानों ने संघीय अदालत से मामले के अंतिम निपटारे तक इस प्रतिबंध पर रोक लगाने का अनुरोध किया है। समाचार संस्थान सीएनएन, एमएस नाउ और पॉलिटिको ने आरोप लगाया कि न्यायाधीश के रोक आदेश के बावजूद प्रशासन प्रतिबंध को ''अप्रत्याशित और असंगत तरीके से'' लागू करता रहा है और सीएनएन को चुनिंदा रूप से व्हाइट हाउस के टेलीविजन पूल की जिम्मेदारियों से भी रोका गया। टेलीविजन पूल का मतलब एक साझा व्यवस्था है, जिसमें एक समाचार संस्था किसी कार्यक्रम की वीडियो कवरेज करती है और उसकी फुटेज अन्य टीवी चौनलों को भी उपलब्ध कराती है। तीनों संस्थानों के वकीलों ने कहा सोमवार को कहा, ''व्हाइट हाउस के बयानों और कार्रवाइयों से संकेत मिलता है कि मौका मिलने पर वह सीएनएन, एमएस नाउ और पॉलिटिको पर पूर्ण प्रतिबंध फिर लगा सकता है।''

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

चीन को हथियार बेचने की बात कर अमेरिका ने उड़ाए ताईवान के होश, बाद में ट्रंप ने अचानक ले लिया यू–टर्न!

अमेरिका और चीन के बीच रिश्तों में सुधार के तमाम दावों के बीच वॉशिंगटन से निकले विरोधाभासी बयानों ने एक बार फिर अमेरिकी नीति की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। दरअसल, अमेरिकी राजदूत डेविड पर्ड्यू ने दावा किया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से पूछा था कि क्या चीन अमेरिकी हथियार खरीदना चाहेगा? यह बयान सामने आते ही ताइवान आश्चर्यचकित रह गया और खुद अमेरिका में इस पर सवाल उठने लगे। विवाद बढ़ता देख ट्रंप खुद सामने आये और अपने राजदूत के दावे को खारिज करते हुए कहा कि उन्होंने ऐसी कोई बात नहीं की। अमेरिकी विदेश विभाग ने भी साफ कर दिया कि चीन को अमेरिकी हथियार बेचने का न तो कोई प्रस्ताव है और न ही कोई योजना, क्योंकि अमेरिकी कानून ऐसी बिक्री पर रोक लगाता है। मामला यहीं खत्म नहीं हुआ। ट्रंप ने पहले कहा कि उन्हें ऐसी किसी बातचीत की जानकारी नहीं है और संभव है कि राजदूत पर्ड्यू ताइवान

की बात कर रहे हों। लेकिन अगले ही पल उन्होंने यह भी कहा कि चीन अमेरिकी सैन्य उपकरण खरीदने में दिलचस्पी रख सकता है और ऐसा प्रस्ताव शायद अच्छा विचार हो। यही विरोधाभास अमेरिकी विदेश नीति की सबसे बड़ी कमजोरी को सामने लाता है। राष्ट्रपति का बयान एक दिशा में, राजदूत का बयान दूसरी दिशा में और विदेश विभाग की सफाई तीसरी दिशा में दिखाई दे रही है। देखा जाये तो चीन को अमेरिकी हथियार बेचने की बात सामान्य व्यापारिक प्रस्ताव नहीं हो सकती। अमेरिका और चीन दशकों से रणनीतिक प्रतिद्वंद्वी हैं और ताइवान इस प्रतिद्वंद्विता का सबसे विवादित केंद्र है। ऐसे में यदि वॉशिंगटन वास्तव में बीजिंग को हथियार बेचने की पेशकश करे, तो यह अमेरिका की दशकों पुरानी रणनीतिक व्यवस्था में भारी बदलाव होगा। हालांकि अमेरिकी प्रशासन ने फिलहाल ऐसी किसी नीति से साफ दूरी बना ली है। यहां सवाल यह भी है कि क्या ट्रंप और शी की मुलाकात के बाद अमेरिका–चीन संबंध वास्तव में सुधरे हैं? देखा जाये तो इस प्रश्न का जवाब सीधा नहीं है। दोनों नेताओं के बीच बातचीत और उच्चस्तरीय संपर्क जरूर बढ़े हैं, लेकिन ताइवान, सैन्य शक्ति, प्रौद्योगिकी, व्यापार और क्षेत्रीय प्रभाव जैसे मूलभूत विवाद जस के तस हैं। ट्रंप–शी मुलाकात से तनाव को नियंत्रित करने की कोशिश दिखाई देती है, पर रणनीतिक प्रतिस्पर्धा खत्म होने का कोई ठोस प्रमाण नहीं मिला है। चीन ने लगातार अमेरिका से ताइवान को हथियारों की बिक्री रोकने की मांग की है, जबकि वॉशिंगटन की आधिकारिक नीति अभी भी ताइवान की आत्मरक्षा क्षमता बनाए रखने की है। यही वजह है कि ताइवान की चिंता भी खत्म नहीं हुई। ताइवान के रक्षा मंत्री वेलिंगटन कू ने आज कहा कि ट्रंप–शी बैठक के बाद ताइवान को अमेरिका की ओर से बार–बार आश्वासन मिला है कि ताइवान के प्रति अमेरिकी नीति में बदलाव नहीं हुआ है। उन्होंने यह भी बताया कि हथियारों की बिक्री को लेकर अमेरिका के साथ लगातार बातचीत जारी है और फिलहाल नीति में बदलाव की कोई सूचना ताइवान को नहीं मिली है। देखा जाये तो यहां अमेरिका की रणनीतिक मजबूरी साफ दिखाई देती है। एक तरफ वह बीजिंग के साथ संबंधों को स्थिर रखना चाहता है, दूसरी तरफ ताइवान को सैन्य रूप से कमजोर छोड़ना उसके लिए रणनीतिक जोखिम है।

इमरान खान समर्थकों के मार्च से पहले इस्लामाबाद में रास्तों पर रखे गए शिपिंग कंटेनर

पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में एक बार फिर प्रदर्शन की सुगबुगाहट दिख रही है क्योंकि शहर के मुख्य मार्गों पर 'शिपिंग कंटेनर' रखे हुए नजर आ रहे हैं। इससे पहले इमरान खान की पार्टी तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) के समर्थकों ने 27 सितंबर को प्रदर्शन की घोषणा की थी जिसे चार अक्टूबर तक टाल दिया गया। पाकिस्तान में प्रदर्शनों के दौरान 'शिपिंग कंटेनर' का सड़कों पर नजर आना आम होता है। आम तौर पर प्रदर्शनकारियों की आवाजाही को सीमित करने और उन्हें संवेदनशील स्थानों तक पहुंचने से रोकने के लिए अहम रास्तों पर ये 'शिपिंग कंटेनर' रखे जाते हैं। निवासियों के लिए ये लोहे के अवरोधक इस बात की साफ चेतावनी बन चुके हैं कि आगे सड़कें बंद हो सकती हैं, यातायात जाम होगा और इस्लामाबाद व पड़ोसी रावलपिंडी

में लंबे चक्कर लगाकर अपने गंतव्य तक जाना पड़ सकता है। यह ताजा तैनाती जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की रिहाई की मांग करने वाले उनके समर्थकों के प्रस्तावित मार्च से पहले की गई है। क्रेन की मदद से ट्रकों से लाल, नीले और हरे रंग के कंटेनर उठाकर जगह–जगह सड़कों के किनारे रखे गए हैं। पिछले हफ्ते पुलिस ने इन कंटेनर को अति संवेदनशील 'रेड जोन' की ओर जाने वाले अहम रास्तों पर रख दिया जहां संसद, सरकारी दफ्तर और विदेशी दूतावास स्थित हैं। क्रिकेट से राजनीति में आए और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के मुख्य राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी रहे खान 2023 से जेल में हैं। भ्रष्टाचार और अन्य आरोपों में दोषी ठहराए जाने के बाद वह कई सजाएं काट रहे हैं। खान और उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ का कहना है कि ये मामले राजनीति से प्रेरित हैं। खान को अप्रैल 2022 में संसद में अविश्वास प्रस्ताव के जरिए पद से हटा दिया गया था। आठ फरवरी 2024 को हुए संसदीय चुनाव और सांसदों द्वारा प्रधानमंत्री चुने जाने के बाद शरीफ फिर से सत्ता में आए। खान की पार्टी का कहना है कि चुनाव में उसका जनादेश छीन लिया गया, हालांकि सरकार इस आरोप से इनकार करती है। इस्लामाबाद की एक गृहिणी साहिबा बीबी ने कहा, ''यह कंटेनरों का शहर नजर आ रहा है।'' पीटीआई के शीर्ष नेतृत्व ने कहा कि उसने मार्च को इसलिए टाल दिया क्योंकि अधिकारियों ने राजधानी तक पहुंचने वाले प्रमुख रास्तों को बंद कर दिया था, जिसमें अटक पुल भी शामिल है।

पड़ोसी देश के आतंकवाद पर साझीदार देश ध्यान नहीं देंगे तो संबंधों पर असर पड़ेगा : एस. जयशंकर

न्यूयॉर्क। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि पड़ोसी देश से उत्पन्न होने वाला आतंकवाद भारत की प्रमुख चिंताओं में से एक है और यदि नयी दिल्ली के साझेदार इस चिंता को पूरी तरह नहीं समझते हैं, तो इसका द्विपक्षीय संबंधों पर असर पड़ता है। उनका यह बयान अमेरिका और पाकिस्तान की बढ़ती नजदीकी के बीच भारत–अमेरिका संबंधों के संदर्भ में आया है। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र के उच्चस्तरीय सप्ताह के सोमवार को समापन के अवसर पर एशिया सोसाइटी की ओर से आयोजित एक विशेष संवाद में जयशंकर ने भारतीय–अमेरिकी और प्रवासी भारतीय समुदाय के प्रमुख सदस्यों के साथ–साथ नीति विशेषज्ञों को संबोधित किया। पूर्व अमेरिकी राजनयिक और 'एशिया सोसाइटी पॉलिसी इंस्टीट्यूट' के विशिष्ट फेलो डेनियल रसेल द्वारा संचालित इस संवाद के दौरान जयशंकर से भारत–अमेरिका संबंधों के बारे में सवाल किया गया। उनसे खासतौर पर पिछले एक वर्ष के दौरान व्यापार और शुल्कों से जुड़े घटनाक्रम तथा द्विपक्षीय संबंधों को ''बेहतर दिशा'' में ले जाने के लिए क्या किए जाने की जरूरत है, इस बारे में पूछा गया। जयशंकर ने कहा, ''अगर मैं व्यापक नजरिए से देखूं... तो मैं देखता हूं कि दुनिया के कई देशों के अमेरिका के साथ संबंध अधिक कठिन रहे हैं। मेरा मतलब है कि इससे हमें सांत्वना शायद न मिले, लेकिन यह एक वास्तविकता है।'' इसके बाद उन्होंने अमेरिका और पाकिस्तान के बीच संबंधों का जिक्र किया, जिनमें पिछले एक वर्ष के दौरान सुधार आया है, खासकर जनवरी 2025 में डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के दूसरे कार्यकाल की शुरुआत के कुछ ही महीनों बाद। जयशंकर ने कहा कि एक मुद्दा ''हर देश की संवेदनशीलताओं से जुड़ा है।'' उन्होंने कहा, ''भारत के लिए जो बात विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, वह आतंकवाद का मुद्दा है। हमारा मानना है कि... शायद बहुत कम ऐसे देश हैं, जिन्हें कई दशकों से किसी पड़ोसी देश की ओर से जानबूझकर और सुनियोजित नीति के तहत उस तरह के आतंकवाद का सामना करना पड़ा है, जैसा हमने किया है।'' पाकिस्तान का संदर्भ देते हुए उन्होंने कहा, ''अब, अगर जो बात हमारे लिए इतनी महत्वपूर्ण है, उसके बारे में पर्याप्त समझ या सराहना या सहानुभूति नहीं है, तो मुझे लगता है कि इससे भी एक समस्या पैदा होती है। यदि मेरी प्रमुख चिंताओं में से किसी एक को मेरा साझेदार पूरी तरह नहीं समझता है, तो स्पष्ट रूप से इसका संबंधों पर असर पड़ता है।'' व्हाइट हाउस (अमेरिकी राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) में ट्रंप प्रशासन के दूसरे कार्यकाल की शुरुआत के कुछ ही महीनों बाद भारत–अमेरिका संबंधों में शुल्क, व्यापार, नयी दिल्ली द्वारा रूसी ईंधन की खरीद और वाशिंगटन की पाकिस्तान के साथ फिर से बढ़ती भागीदारी जैसी चुनौतियों को लेकर उतार–चढ़ाव देखने को मिला। पिछले साल मई में भारत ने, जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के जवाब में पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी ढांचे को निशाना बनाकर 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया था। इस हमले को पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठन लश्कर–ए–तैयबा के मुखौटा संगठन 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' ने अंजाम दिया था और इसमें 26 लोग मारे गए थे जिनमें से ज्यादातर पर्यटक थे। पिछले पूरे साल और यहां तक कि गत सप्ताह संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने संबोधन में भी ट्रंप ने दावा किया है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष को रुकवाया था। भारत लगातार किसी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप से इनकार करता रहा है। पिछले साल जून में कनाडा के कनानास्किस में आयोजित जी7 नेताओं के शिखर सम्मेलन से लौटने के बाद ट्रंप ने पाकिस्तान के फील्ड मार्शल असीम मुनीर की व्हाइट हाउस में दोपहर के भोजन पर मेजबानी की थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी जी7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया था।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।